तुम क्या कहते हो यह कौन है?

सुप्रभात, मित्रों। मैं निश्चित रूप से इस कलीसिया में होने को सौभाग्य की बात समझता हूं। और मैं एक प्रकार से आरंभ से ही इसके नाम को पसंद करता हूं। इसे "जीसस नेम" कहकर बुलाया जाता है। मुझे यह पसंद है। और मैं—मैं सोचता हूं कि यही—यही... यही वो नाम है जिसके द्वारा मैं छुड़ाया गया था, प्रभु यीशु का वह प्यारा नाम। और फिर यहाँ अपने अच्छे मित्रों के साथ होने के लिए, यहाँ इस सुंदर रविवार की सुबह को जो यहाँ इकट्ठा हुए है, ठीक यहाँ फीनिक्स में, मैं किसी भी स्थान के बारे में नहीं जानता हूं, बल्कि मैं चाहूंगा, जब तक कि यह आप सभी के साथ महिमा में न हो। और यही वो महान घटना है जिसे हम किसी दिन आगे होने के लिए देख रहे हैं।

2 और मेरे पास एक—एक बीमार का फोन आया था, आज यहां आने पर। और मैं भाई आउटलॉ से बात कर रहा था, जो मेरे प्रिय मित्र थे, और उसने—उसने मुझे बड़ी विनम्रता से वहां आने के लिए आमंत्रित किया। और यहां फीनिक्स के सभी सेवक मेरे प्रति बहुत ही अच्छे रहे हैं।

3 मैं कभी–कभी सोचता हूं कि मैं ट्यूसान क्यों चला गया। मैं वहां तीन वर्षों से रहा हूं, और मुझे कभी भी किसी पुलपीट पर आमंत्रित नहीं किया गया। सो मैं समझता हूं मैं... बस मेरा—मेरा यहां ट्यूसान का दौरा करना है... या यहां फीनिक्स में, जहां मैं स्वागत महसूस करता हूं। तो ठीक है, हो सकता है वे मुझे थोड़ा–थोड़ा करके समझने लगेंगे... आप जानते है, मैंने वहां एक रात को प्रचार किया था, तीन घंटे तक प्रचार किया; कोई आश्चर्य नहीं कि उन्होंने मुझे वापस नहीं बुलाया।

4 लेकिन मेरे हृदय में परमेश्वर और उसके लोगों के प्रति ऐसी एक—एक भावना है। और मैं बहुत ही धीमा हूं, और मैं—मैं डरता हूं कि मैं कुछ तो छोड़ दूंगा और पूरी बात नहीं कह पाऊँगा, और मैंने एक ही में लगभग तीन या चार संदेश डाल दिए। इसलिए मैं निश्चय ही... आप लोगों के लिए जो वहां पर थे, मैं आपको लंबे समय तक रोके रखने के लिए क्षमा चाहता

हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

5 और आज सुबह भाई कार्ल विलियम्स और युवा जिमी के साथ यहां पर होना भी खुशी की बात है, और गाना गाने वालो का समूह, और मेरे मित्र मोस्ली भाई लोग; ब्रैड, भाई जॉन शार्रिट, और मेरे बहुत से मित्र को देखकर; भाई पैट टायलर, यहाँ पर जो दूर केंटकी से है, और—और—और बहुत सारे मित्र बस आज सुबह इस—इस सभा में एकत्र होने के लिए। देखिए, ट्यूसान और इत्यादि से मेरे बहुत से मित्रो को यहां बैठा हुआ देख रहा हूं।

6 मैं इस विषय में सोच रहा हूं, एक दिन जब यह सब समाप्त हो जाएगा, तब हम इकट्ठा होंगे जहाँ हम... हम ना ही... हम—हम इस अच्छे संगीत को सुनना कभी भी बंद नहीं करना चाहेंगे, आप देखना। मैंने अभी–अभी ध्यान दिया कि भाई विलियम का पुत्र, वहां पीछे बैठे हुआ, उसने एक रात को रमादा इन में गवाही दी। और मैं सोचता हूं कि वो लगभग छह फुट लंबा है। लेकिन मैं आपको बताता हूं, उस गवाही के बाद, मैं सोचता हूं कि वह दस फुट लंबा था। उसने बस... लड़के ने जो कहा जो वास्तव में सराहनीय था, क्या ही अद्भुत गवाही।

7 जब मैं इन भले युवा लोगों को उनके विश्वास की गवाही देते हुए सुनता हूं जो मसीह में केंद्रित होती है... और मैं—मैं बूढ़ा हो रहा हूं, और मैं... मुझे एक दिन छोड़ कर—कर—कर और घर जाना होगा। और इन युवा लोगों को आते हुए देखता हूं, जो तैयार है, और अपने आप को तैयार कर रहे हैं कि उसे ले ले, जहां से मैं छोड़ता हूं... और इसी तरह से हम करते हैं। जीवन इसी तरह से चलता है। कि हम... एक पीढ़ी आगे बढ़ती है... और पिता और माता। और वे अपने बालको को पाल–पोसकर बढ़ा करते है, और उन्हें विवाह करते देखते है; और साथ ही फिर पोते–पोतियां आते हैं। और कुछ समय के बाद, पिता और माता मिट्टी में चले जाते हैं। और फिर, उस समय तक, उसके बाद बच्चे पोते–पोतियों के लिए तैयार हो जाते हैं; और फिर, वे नीचे मिट्टी में चले जाते हैं। लेकिन इन दिनों में से एक दिन एक महान, सामान्य पुनरुत्थान होगा। हम सभी को परमेश्वर की उपस्थिति में बुलाया जायेंगा कि जो कुछ परमेश्वर ने हमें दिया है, उसके साथ जो कुछ हमने किया है उसका लेखा दे: अर्थात् यीशु मसीह। और इसलिए, मैं यह जानकर बहुत खुश हूं कि मैं इस पीढ़ी में ऐसे अच्छे लोगों के झुण्ड के साथ

रहा हूं, जो कि संसार भर में है, जिससे मैं मिला हूं। मैं—मैं बस—बस परमेश्वर का धन्यवादित हूं। और किसी दिन जब मेरा बुलावा आता है, तो, मुझे—मुझे उन कामों को जवाब देने के लिए जाना होगा जो मैंने किए हैं। मैं चाहता हूं कि वे सब परमेश्वर की महिमा और आदर के लिए हों।

8 वहां बहुत सी चीजें है जैसे कि मैं... हम नए वर्ष के नजदीक आ रहे हैं, जिसे काश कि मैं—मैं भूल सकता—सकता, लेकिन मैं जानता हूं कि मैंने उन्हें उसके सामने गलत के रूप में स्वीकार किया है और—और उसने उन्हें भूल जाने के समुद्र में डाल दिया है, और वह उन्हें फिर कभी याद नहीं करना चाहेगा। अब देखिए, हम इस तरह से नहीं बने हैं, हम हमेशा याद रखेंगे। हम एक दूसरे को क्षमा कर सकते हैं, लेकिन हम—हम इसके बारे में नहीं भूल सकते क्योंकि हम—हम—हम अलग बने हुए हैं। लेकिन परमेश्वर इसे क्षमा कर सकता है और इसे भूल सकता है। वह बस इसे ऐसे मिटा सकता है जैसे कि यह कभी था ही नहीं। देखा? क्योंकि उसकी पहुंच उस भूलने वाले समुद्र तक है, लेकिन हमारी पहुंच नहीं है। जरा इस पर सोचे, कि परमेश्वर यहां तक याद भी नहीं रख सकता कि हमने कभी पाप किया है। इस पर सोचे! आप युवा लोगो, क्या हो यदि... इस विषय में क्या है? परमेश्वर को यह भी याद नहीं कि हमने कभी पाप किया है। देखो, वह सारी चीज को भूल सकता है, और इसे अब कभी भी स्मरण में भी नहीं लायेगा। क्या यह कुछ विशेष नहीं होगा?

9 यह कोई मजाक करने का स्थान नहीं है। मैं उस हंसी ठठ्ठा या मजाक में विश्वास नहीं करता... यह मुझे मेरे एक—एक मित्र की याद दिलाता है। वह अब महिमा में चला गया है। लेकिन उसने—उसने एक बार एक छोटी सी कहानी सुनाई, एक—एक जोड़े के बारे में जो शहर में आ गए थे और... देश से। और उनके पास एक... इस युवा जोड़े का एक बूढ़ा पिता था, और वह सचमुच परमेश्वर के लिए आग में था। सो वह युवा महिला (वह उसका पिता था...), सो वह कुछ पारम्परिक लोगों के बीच आ गई थी। आप जानते हैं, जहां आपके पास इस प्रकार के पारम्परिक मनोरंजन होते हैं। और इसलिए, वह उस दिन अपने घर में किसी प्रकार का मनोरंजन करने जा रही थी।

10 और—और उसके—उसके पिता, उसके दोपहर के भोजन को करने के बाद, क्यों वह—वह बाईबल को लेता और कमरे में चला जाता और

वह थोड़ी देर पढ़ता। और वह इसे रख देता, और वह रोता, और चिल्लाने लगता, और चीखता, और ऐसे ही करता रहता, और उठकर और अपना चश्मा पहनकर और फिर से पढ़ता। फिर कुछ तो देखा, और अपने चश्में को नीचे रखा और रोना और चिल्लाना आरंभ किया। यूवा महिला ने कहा, "इससे मेरी पार्टी में रुकावट होगी इसलिए मैं—मैं—मुझे... मुझे पिताजी के साथ कुछ करना होगा, और मैं नहीं जानती कि क्या करूं।" इसलिए उसने निश्चय किया कि वह उसे सीढियों से ऊपर जाने देगी, और उस—उस स्थान पर—पर रखेगी।

11 और—और वह सोचने लगी, "तो ठीक है, अब, मैं उसे उसकी बाईबल नहीं दे सकती, क्योंकि वह वहां भी उसी चीज को करेगा।" तो उसने बस उसे एक पुरानी भूगोल की किताब को दिया, और उसे वहां ऊपर भेज दिया। कहा, "पिताजी, आप दुनिया भर की तस्वीरों और चीजों को देखना जिस समय पर हम पार्टी कर रहे हो।" और कहा, "हम बहुत लंबे समय तक नहीं करेंगे। हम—हम नीचे उतरेंगे... आप थोड़ी देर बाद नीचे आ जाना।" कहा, "मैं जानती हूं कि आप वहां नहीं होना चाहते जहां वे सभी महिलाएं होती हैं।"

12 उसने कहा, "नहीं, कोई बात नही, प्रिय। मैं—मैं वहां ऊपर चला जाऊंगा।"

13 इसलिए वह... उसने उसके लिए एक लाइट और एक छोटा सा स्थान को तैयार किया। और उसने सोचा, "तो ठीक है, इससे—इससे बात ख़त्म हो गयी। अब, वह केवल चित्रों को देखेगा और थोड़ा सा भूगोल की किताब को पढेगा, और फिर... और थोड़ी देर के बाद वह नीचे आ जाएगा। और यह ठीक हो जाएगा।"

14 तो अब समय आ गया कि वे उनके गुलाबी नींबू पानी को पी रहे थे, आपको पता होगा, और उनकी पार्टी को कर रहे थे... ... कुछ समय के बाद, घर हिलने लगा, और वह बूढ़ा मनुष्य ऊपरी मंजील पर ऊपर–नीचे भागना आरंभ करता है, चिल्लाता है और उछलता है। और—और महिला ने सोचा, "उसे क्या हो गया? उसके पास वहां ऊपर बाईबल भी नहीं है। कि... वो अवश्य ही एक बाईबल को लिए हुए होगा।"

15 इसलिए वह सीढियों पर चढ़कर ऊपर की ओर दौड़ी, और कहा, "पिताजी!" कहा, "यह वो बाईबल नहीं है जिसे आप पढ़ रहे हैं। यह एक

भूगोल की किताब है।"

16 उसने कहा, "मैं यह जानता हूं, प्रिय। मुझे ये पता है! लेकिन" कहा, "तुम जानती हो, उस दिन मैं बाईबल में पढ़ रहा था जहां यीशु ने कहा कि उसने हमारे पापों को भूल जाने वाले समुद्र में डाल दिया, देखो, और उन्हें अब वो और याद नहीं करेगा। और मैं यहाँ पर पढ़ रहा था जहाँ वे कहते हैं कि वे यहाँ तक कि कुछ स्थानों पर समुद्र के तल को भी नहीं पा सकते हैं, भूगोल में।" कहा, "जरा सोचो, वे अब भी जा रहे हैं।"

17 यह बात उसे खुश कर रही थी। इसलिए आप जहां कहीं भी आप देखे, परमेश्वर को पा सकते हैं। देखो, यदि आप बस चारों ओर देखें, तो हर एक चीज उसके लिए बात करेगी।

18 अब सच में, ईमानदारी से, मैंने भाई आउटलॉ से कहा, "आज सुबह मैं किस विषय में बोलूं? " क्या आपने अपने क्रिसमस के संदेश को प्रचार किया है? "

कहा, "जी हां।"

मैंने कहा, "आपके नए वर्ष के संदेश को? "

"नहीं।"

19 तो, मेरे पास यहां कुछ रूपरेखा थी यदि मुझे कहीं से निमंत्रण मिलता है, तो मैं अपने नए वर्ष के संदेश को प्रचार करूंगा। मैंने सोचा कि मैं इसे अगले सप्ताह के लिए भाई आउटलॉ पर छोड़ दूंगा।

20 इसलिए मैंने सोचा कि हो सकता है कि मैं यहां एक छोटे से विषय पर वापस आऊं जो हमें कुछ मिनटों के लिए बनाये रख सकता है, प्रभु ने चाहा तो। और हम भरोसा करते हैं कि वह हमें आशीष देगा। मैं भाई आउटलॉ और यहां की कलीसिया को धन्यवाद देना चाहता हूं, मुझे यहां बोलने के लिए आमंत्रित किया। और मैं... जैसा कि भाई आउटलॉ ने कहा, कि "हमारी मित्रता कभी भी मुरझाई नहीं है, " लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह ने हमें इन सारे वर्षों में बनाये रखा है। यह पहली कलीसिया है जिसने मुझे आमंत्रित किया, और मैं आया, ये फीनिक्स था।

21 मैं जानता हूं... मैं विश्वास करता हूं कि मैं यहां भाई ट्रो को देख रहा हूं। मुझे पक्का नहीं है... मेरे सामने बैठे हुए है। क्या यह सही है, भाई ट्रो? मैं विश्वास करता हूं कि वह उस समय वहां पर थे। मेरे पास कुछ छोटी–छोटी

चीजें है जो उसने मुझे उस समय के दौरान दी; छोटी... वे इसे ढालकर आकार दिया था या ऐसा ही कुछ तो। आप जानते हो, यहाँ जहाँ आप रहते हो, वहाँ की छोटी तांबे की चीजें।" और आप यहाँ–वहां देखते हैं... और मैं बस सोचता हूं कि उस सुबह क्या होगा जब हम उस पार जायेंगे, आप जानते हैं, और लोगों को देखने को मिलेगा... वे कहते हैं, "तो ठीक है, वहाँ... " आप जानते हैं, हम तब बहुत ही भिन्न दिखाई देंगे, उससे जो हम अभी दिखाई देते हैं। हम... यह सही बात है। हम पर पाप या बुढापे के कोई निशान नहीं होगा। हम सिद्ध होंगे। ओह, मैं उस समय के लिए लालसा रखता हूं (क्या आप नहीं रखते?) जहां सारी परेशानियां खत्म हो जायेंगी।

22 और अब, मेरे पास परमेश्वर की ओर से एक संदेश है जिसे मैं—मैं महसूस करता हूं। और मैं... मैं भिन्न नहीं होना चाहता, लेकिन मुझे अवश्य ही ईमानदार होना है। और यदि मैं अपने दृढ विश्वास को नहीं बोलता, तब आपको मुझ पर भरोसा नहीं हो सकता। क्योंकि मैं—मैं—मैं एक विश्वासघाती या एक ढोंगी की तरह होऊंगा। और मैं—मैं बजाये इसके कुछ और बनना चाहूंगा, आप देखना। मैं हो सकता है धरती पर कुछ मित्रों को खो दूं, लेकिन मैं—मैं अपने विश्वास के प्रति सच्चा बना रहना चाहता हूं, जो मैं सोचता हूं कि सही है।

23 अब, वर्षों पहले, यह बहुत ही आसान था जब मैंने पहली बार आरंभ किया था; और चिन्ह, और संदेश, और प्रचार। हर जगह बाहें खुली हुई थी, "आओ! आओ! आओ! आओ!" लेकिन फिर, आप देखते हैं, परमेश्वर की ओर से हर एक सच्चे चिन्ह के पास एक—एक संदेश, एक आवाज होती है। देखो, यह इसके पीछे–पीछे आता है। यदि ऐसा नहीं है... परमेश्वर कुछ भी इस तरह से नहीं देता है बस ऐसे ही इसे मनोरंजन के लिए दे। वह—वह कुछ तो आगे भेजता है ताकि ध्यान आकर्षित करे कि वह क्या कहने पर है। जैसे कि हमारे पास यह अद्भुत गायन का झुण्ड है; इसका उद्देश्य क्या था? लोगों को आने वाले संदेश के लिए शांत करना।

24 यही है जो—यही है जो एक चिन्ह करता है। मूसा के पास वे चिन्ह थे जिनके बारे में मैंने उस रात प्रचार किया था, और उन चिन्हों के पास आवाजें थीं। और... जब आवाज बोली... यीशु बीमारों को भी चंगा करता चला गया। वह एक महान मनुष्य था। लेकिन जब यह समय आया कि वो—वो भविष्यव्यक्ता, जो धरती पर था... कि उनके पास चार सौ वर्षों से

एक भी भविष्यव्यक्ता नहीं था, और यहाँ पर वो धरती पर था और चिन्हों को कर रहा था। तब वह "भला व्यक्ति" था, हर कोई उसे चाहता था। लेकिन जब संदेश जो उस चिन्ह के पीछे–पीछे आया (वो आवाज)... जब उसने एक दिन बैठकर, और कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं।" ओह, प्रभु! यह—यह—यह कुछ तो अलग था। वे—वे यह नहीं चाहते थे। देखा?

25 और वह... हालांकि, संसार बस इसी तरह से है, मित्रों। ... ... देखा? वे... जो कुछ भी वे पा सकते हैं, यदि वे—वे स्वयं की सहायता कर सकते हैं, आप देखिये... कि वे—वे ऐसा महसूस करते हैं, जब तक यह उन्हें परेशान नहीं करता, क्यों, वे—वे इसे करेंगे। लेकिन जब यह समय आता है कि उन्हें चीजों के विषय में अपने विचारों को बदलना होता है, यही है जहां से परेशानी आती है।

26 अब, देखो, हम एक इमारत को बना रहे हैं, ना कि एक दीवार को। बनाने वाले ब्लॉक ढांचे की एक लकीर को लेना चाहते हैं और बस सीधे नीचे जाना चाहते हैं। अब, कोई भी बनाने वाला इसे बना सकता है। लेकिन इसे एक कोने को मोड़ने के लिए एक वास्तविक सर्वोत्तम मिस्त्री की आवश्यकता होती है। देखा? जब आपको कोने को काटना होता है, तो यही समय होता है... यह दिखाता है कि आप—आप वास्तव में एक पत्थर के राजमिस्त्री हैं या नहीं; जब आप इसके साथ कोने को मोड़ सकते हैं, और बाकी की इमारत की निरंतरता को बनाए रख सकते हैं, लेकिन कोने को मोड़ना हैं। अब यह इन कोनों पर है जब परेशानी आती है। बनाने वाले नीचे की ओर निर्माण को जारी रखना चाहते हैं। लेकिन हम दीवार नहीं बना रहे हैं; लेकिन, एक इमारत को।

27 अब, जैसा कि हम इस सुबह समीप आते हैं, आप मेरे लिए प्रार्थना करें, और मैं... मैं हमेशा ही आपके लिए प्रार्थना करता हूं। और अब, आइए हम अपने सिरों को कुछ क्षण के लिए उस महान यहोवा परमेश्वर की उपस्थिति में झुकाये। और हम अपनी क्षमता की कमी का अहसास होता हैं; हम सबको होता है। और हममें यहां एक भी ऐसा नहीं है जो जरूरतमंद ना हैं। और मैं सोचता हूं, जब हम प्रार्थना कर रहे हैं, कि क्या वहां आप में से कोई भी विशेष आवश्यकता के साथ है?

28 आप जानते हैं, अनंत परमेश्वर, जैसा कि मैंने यहां फिनिक्स में उस दिन सभा में—में कहा था, यहां पर... बिल्कुल टेलीविजन की तरह, यह

आ रहा है, मसीह ठीक यहाँ पर अब भवन में है। देखो, हर एक प्रतिक्रिया जो आप करते हैं, हर बार जब आप अपनी आंख को झपकाते हैं, यह कभी नहीं मरेगा। यह आकाश की हवा की तरंगों में है। टेलीविजन इसका निर्माण नहीं करता है। यह तो बस आप की उस लहर को पकड़ लेता है, और इसे अपने पर्दे पर उत्पन्न करता है। यह जो भी है वहां पर होता है। यह हमेशा से था। आपके द्वारा की गई हर एक गतिविधि अब भी हवा में जीवित है। अब आप देख रहे हैं कि हम न्याय में क्या होने जा रहे हैं?

29 तो, परमेश्वर यहाँ पर उसी तरह से है। हम उसे नहीं देखते, जैसे हम उन टेलीविजन के चित्रों को नहीं देखते हैं। यह आवाज को पकड़ने के लिए किसी चीज की एक निश्चित नली या क्रिस्टल की आवश्यकता होती है, और चित्र और इत्यादि को पुन: उत्पन्न करता है। ऐसा तब भी यहाँ पर था जब आदम धरती पर था, लेकिन हमने इसे अभी–अभी पाया है। परमेश्वर आज सुबह यहां पर है। और इन दिनों में से एक, सह–शताब्दी में, हम अनुभव करने जा रहे हैं। यह टेलीविजन या चीजों की तुलना में अधिक वास्तविक होगा, कि वह ठीक यहां आज सुबह की सभा में उपस्थित था।

30 अब जबकि हम... उस विचार पर, अपने ह्रदय में रखें जिसकी आपको आवश्यकता है, और बस उसके लिए अपना हाथ उठाये। क्या आप ऐसा करेंगे? कहे, "प्रभु... " और अपने ह्रदय में उस विचार के लिए सोचे।

31 अब, स्वर्गीय पिता, हमारे पास केवल यही एक पहुँच है, और यह प्रार्थना के मार्ग के द्वारा है। और हम—हम प्रभु यीशु के नाम में आ रहे हैं। हम—हम नाम को कहने, इसका उपयोग करने के लिए योग्य नहीं हैं। हम नहीं है... किसी भी तरह से हम नहीं सोचते कि हम योग्य हैं, लेकिन क्योंकि हमें इसे लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। और यह जानते हुए, कि उसने कहा, "यदि तुम पिता से मेरे नाम में कुछ भी मांगो, तो मैं—मैं—मैं इसे प्रदान करूंगा।" और हम... यदि हमारा विश्वास केवल उसके पीछे खड़ा हो सके उसके वचन के होने पर, और वह कौन है, तब हमें भरोसा होता है कि हमें वह मिलेगा जो हम मांगते हैं। आपने हर विनंती को देखा। आपने मेरे हाथ को देखा। आप मेरी विनंती को जानते हैं।

32 और पिता, मैं उनमें से हर एक के लिए प्रार्थना करता हूं। कि हर चीज जिसकी उन्हें आवश्यकता है... प्रभु, मैं विश्वास नहीं करता कि इस तरह का एक झुण्ड कुछ भी गलत बात को मांगेगा। यह उनके राज्य की उन्नति

के लिए कुछ तो होगा, यह उनकी अपनी चंगाई के लिए हो सकता है, और ऐसा करने में, वे चाहेगे, या उनकी अपनी समझ के लिए, वे ऐसा इसलिए चाहते हैं ताकि वे परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ा सकें।

33 और मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि हर एक की विनंती को प्रदान किया जाएगा। इस कलीसिया को, इसके पास्टर को, इसके सहयोगियों को, और डिकन, खजांची को, इसके सभी सदस्यों को, मेहमानों को, अपरिचितों को आशीष देना। वे अजनबी लोग नहीं है, प्रभु। हम सब अनुग्रह के द्वारा और मसीह के द्वारा आपकी संतान है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज सुबह हमें अब जीवन की रोटी देंगे, कि हम यहां से इस समझ के साथ जा सकते हैं कि ये विनंतीयां जो हमने मांगी थी हमें प्रदान की गई है।

34 वचन को आशीषित करें, प्रभु, जब मैं इसे पढ़ता हूं। ऐसा कोई मनुष्य नहीं है जो—जो उस वचन का अनुवाद करने में सक्षम या योग्य हो। यूहन्ना ने पुस्तक को उसके हाथ में देखा जो सिंहासन पर बैठा था, और वहां स्वर्ग में कोई नहीं था, या धरती पर, या धरती के नीचे जो यहां तक कि किताब को देखने के योग्य भी था। लेकिन प्राचीनों में से एक ने कहा, "देखो, वो मेम–... यहूदा के गोत्र का सिंह जयवन्त हुआ है।" यूहन्ना, एक—एक सिंह को देखने के लिए निहार रहा था, पर उसने एक मेमने को देखा जो घात किया गया था, एक—एक लहूलुहान मेम्ना आगे आया और पुस्तक को लिया, एक सिंहासन पर चढ़कर और बैठ गया। और स्वर्ग के सारे प्रसिद्ध लोगों ने उनके मुकुटों को अपने सिरों पर से उतारा और झुक गये और जान गये कि वह योग्य था।

35 प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं कि वह आज सुबह हमारे ह्रदय के सिंहासन पर आये। ऊपर चढ़कर और हर एक विचार को अधिकार में ले जो हमारे पास है, और वचन को लेकर और हमसे बात करें ताकि हम उसके बारे में और हमारे जीवन में उसकी योजना के बारे में अधिक जान सकें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

36 अब, यदि आप बाईबल को खोलना चाहते हैं... ये वचन संत मत्ती के 21वे अध्याय में मिलता है, और इसके साथ आरंभ करते हुए... मैं सोचता हूं कि हम मत्ती के 21वें अध्याय के उसके—उसके 10वें और 11वें पद को पढ़े। अच्छे बने रहे, जब आप घर जाते हैं, यदि आपने ने इन छुट्टियों में

ऐसा नहीं किया है, यदि आप इस अध्याय को पढ़ेंगे। यह बहुत अच्छा है। यह सारा ही अच्छा है। यह विशेष रूप से, इस ऋतू के लिए है, और संदेश के साथ है मैं आशा करता हूं कि पवित्र आत्मा मुझे आज सुबह आपके लिए लाने देगा।

37 10वे पद पर ध्यान दें, जब कि हम पढ़ते हैं, और 11वां पद।

और जब वह यरूशलेम के अंदर आया, तो सारा नगर यह कहने लगा, कि यह कौन है?

और भीड़ ने कहा, यह गलील के नासरत का भविष्यद्वक्ता यीशु है।

अब आईये... परमेश्वर उसके वचन में इस पवित्रशास्त्र के पढ़े जाने के उस—उस संदर्भ को जोडे।

38 अब, हम जानते हैं कि यह समय है, और आप में से बहुत से लोग इस निश्चित अध्याय के वचन से परिचित हैं। यह उस... वास्तव में उस दिन पर जब मसीह इस छोटे से गधे पर सवार होकर यरूशलेम में आया। और हम... एक कहानी कहती है कि "यह एक सफेद गधा था।" मैं कल्पना करता हूं, उसके दूसरे आगमन के पूर्वचित्रण में वो एक घोड़े पर आ रहा है। उस समय, भविष्यवक्ता ने कहा, कि "वह सवारी करेगा... तुम्हारा राजा तुम्हारे पास गधे के बच्चे पर सवार होकर आता है, और वो दीन और नम्र है।" इसी तरह से वह आता है और—और... एक—एक छोटे से गधे पर, एक छोटा सा बोझ उठाने वाला। लेकिन अगली बार वह महिमा से आता है (प्रकाशितवाक्य के 19वें अध्याय में), वह एक सामर्थी जय पाने वाले के समान आता है। उसका वस्त्र लहू में डूबा हुआ था, वो एक सफेद घोडे पर बैठा हुआ था, और स्वर्ग की सारी सेना सफेद घोड़ों पर सवार होकर उसके पीछे चल रही है। और दन्तकथा (ना ही वचन के अनुसार या ऐतिहासिक रूप से)... लेकिन दन्तकथा का मानना है कि वह एक छोटे से सफेद गधे पर सवारी कर रहा था जब वह यरूशलेम में आया।

39 अब वह... मैंने इसे चुना है... अब भी... क्योंकि हम उस की छाया में हैं... क्रिसमस और—और नए वर्ष के बड़े उत्सव के समय में; एक पुराने वर्ष का अंत होता है, और एक नए वर्ष को लाता है। अब से कुछ दिनों बाद, बहुत से लोग नए पन्नो को पलटेंगे, और—और नई चीजों को करेंगे और नई–नई शपथ को लेंगे; और यह एक नए वर्ष का आरंभ है। और यह मुझे

कभी भी इतना अधिक क्रिसमस जैसा नहीं लगता। मैं नहीं जानता क्यों, मैं हमेशा ही इसे "सांता क्लॉस का दिन" कहना पसंद करता हूं। समझे? क्योंकि वास्तव में बहुत कुछ ऐसा नहीं है...

40 यह मसीह का जन्मदिन नहीं हो सकता है। यह बस बिल्कुल भी ऐसा नहीं हो सकता था। उसका जन्म मार्च या अप्रैल में हुआ होगा, क्योंकि वो मेम्ना था। और वह एक नर भेड़ था और *मेढ़े,* मेष के नीचे जन्मा था। ऐसा ही होना था, आप देखे। और—और भेड़ किसी भी तरह से दिसंबर में जन्म नहीं लेती है। भेड़ वसंत ऋतु में जन्म लेती है। और फिर एक और बात, अब यहूदिया की पहाड़ियां, इस पर बीस फीट बर्फ होती है। भला चरवाहे वहां पर किस तरह से हो सकते है?

41 तो यह बात असल में रोमन पौराणिक कथाओं से आती है, जो कि सूर्य देवता का जन्मदिन था। सौर सूर्य जैसे–जैसे ये बीतता है, दिन लंबे और लंबे होते जाते हैं, और रातें छोटी होती जाती हैं। और 20 और 25 दिसंबर के बीच में सूर्य देवता का जन्म दिन होता है, रोमन—रोमन पौराणिक कथाओं के अनुसार। और फिर उनके देवता... और फिर उन्होंने सूर्य–देवता का जन्मदिन मनाया। और कॉन्स्टेंटाइन, और—और कलीसिया और राज्य और इत्यादि के संविधान को तैयार करते हुए, उसने कहा, "हम इसे बदल देंगे" (यह नहीं जानते हुए कि वो दिन कौन सा था) "और इसे सूर्य देवता के जन्म दिन पर रख दे, और इसे बनायेंगे: *परमेश्वर के पुत्र का जन्म दिन*।" समझे? जो कि... लेकिन हम नहीं जानते कि यह कौन सा दिन था।

42 लेकिन अब, वहां का मसीह का बहुत बड़े भाग को बाहर कर दिया गया है, इतना तक कि यह हर एक चीज कुछ... फिर से, किसी ऐसे प्राणी की पौराणिक कथाओं में वापस लाया जाता है, जो जीया था, समझ लो, जैसे संत निकोलस या—या क्रिस क्रिंगल के नाम से, कोई जर्मन की पौराणिक कथा। और यह सब बस एक कल्पना है, और मसीह इसमें बिल्कुल भी नहीं है।

43 और लोग व्हिस्की खरीदने, जुआ खेलने और—और फैशन करने में लग गए हैं। और एक—एक मनुष्य जो... एक व्यापारी जो क्रिसमस के समय तक अपना माल बेच सकता है, वह लगभग पूरे साल जीवित रह सकता है। देखा? यह बहुत बड़ी एक छुट्टी होती है, व्यावसायिक रूप से।

और सड़क पर गरीब छोटे बच्चे; उनके माता–पिता उनके पास सांता क्लॉज़ जैसा कोई—कोई उपहार लेकर नहीं आ—आ पाते, और वे सड़क पर पैदल ही चलते हैं, और उनके छोटे गंदे हाथ और उनकी छोटी लाल आंखें। मैं—मैं इसे साथ ही आते हुए देखना पसंद नही करता हूं। यह परमेश्वर की आराधना का एक पवित्र दिन होना चाहिए, न कि हृदय का दौरा, सिरदर्द भरा और अन्य कार्यों का दिन। इस विषय में मसीह का कुछ भी लेना–देना नहीं है। लेकिन हम ठीक अब इस सब के बीच में हैं।

44 हम खुद को कुछ–कुछ वैसा ही पाते हैं, जैसा वे तब थे। देखिए, अब यह बस एक बड़े पर्व में प्रवेश कर रहा है। यीशु फसह के पर्व पर आ रहा था। और उसने यरूशलेम में प्रवेश किया था... या यरूशलेम में प्रवेश कर रहा था। और जो कुछ भी उसने किया उसकी भविष्यवाणियां अवश्य ही पूरी होनी है। बाईबल में हर एक चीज का एक अर्थ होता है। हर नाम का एक अर्थ होता है। वचन में ऐसा कुछ भी नहीं लिखा है जिसका कोई—कोई गहरा अर्थ न हो।

45 मैंने उस रात ट्यूसान में इस पर प्रचार किया, *धर्मज्ञानियों के स्थान पर क्यों चरवाहो को होना था?* वह ठीक कलीसिया के ठीक बगल में ही जन्मा था। और पवित्र आत्मा बाहर जंगल में जा रहा होता है और उन्हें उठा रहा है, ना ही धर्मज्ञानियों को, लेकिन चरवाहो को। इसे इसी तरह से होना था। धर्मज्ञानी ऐसे संदेश का विश्वास नहीं करते। इसलिए वे... इसे चरवाहे ही होना था।

46 मैंने यहां कुछ वर्ष पहले प्रचार किया था, दो वर्ष पहले, *ऐसा क्यों था, क्यों इसे छोटा बेतलहम होना था?* प्रभु ने चाहा, अगले क्रिसमस, मैं चाहता हूं कि हम इस पर प्रचार करें, *इसे ज्ञानी मनुष्य क्यों होना था?* ये इतना सारे *क्यों?*: उन्हें उनके उत्तर मिल गये है, और वे ठीक यहाँ बाईबल में है। और हम एक अद्भुत समय में रह रहे हैं, सारे युगों का सबसे महान समय। हम उस समय में जी रहे हैं, जब कभी भी यह... समय समाप्त हो सकता है और अनंतता ठीक उसके साथ घुलमिल सकती है और आगे बढ़ सकती है। वे युग जिनके लिए सारे भविष्यद्वक्ता और संतों ने आगे की ओर देखा। हमें हर घड़ी पर निगरानी होना चाहिए, उसके आगमन के लिए देखते रहना चाहिए।

47 इस क्रिसमस पर हम अपने आप को ठीक वैसा ही पाते हैं जैसा कि

उन्होंने पहले क्रिसमस पर किया था। संसार बस टूटकर बिखरने पर है। जैसा कि मैंने एक बार कहीं तो प्रचार किया था, एक क्रिसमस के संदेश के विषय में, *संसार टूट कर बिखर रहा है।* और संसार बस फिर से टुकड़े–टुकड़े होने पर है। यहां कैलिफोर्निया में भूकंप की ओर देखें। मैं पूर्वानुमान लगाता हूं, प्रभु यीशु के आने से पहले, कि परमेश्वर उस स्थान को डुबा देगा। मैं विश्वास करता हूं कि हॉलीवुड और लॉस एंजेलिस, और वहां पर वे गंदे स्थान, जो कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर उन्हें डुबा देगा। वे समुद्र की तलहटी में चले जायेंगे। और यह बहुत अधिक पाप है, आप देखते हैं, यह एक रूकावट है।

48 रोजाना के जीवन ने सूर्य के साथ यात्रा की है, वहां से... और यह पूर्व में आरंभ होकर, पश्चिम की ओर जाता है। और अब यह पश्चिमी तट पर है। यदि यह और आगे जाता है, तो यह फिर से पूर्व में वापस आ जाएगा। तो यही वो रुकावट है। और पाप ने रोजाना के जीवन के साथ यात्रा की है, और यह सारे युगों का गंदगी का हौद बन गया है। वे चीजें जो वे करते हैं जिसे—जिसे मनुष्य जाति ने किसी भी अन्य युग में इस तरह की चीज के बारे में नहीं सोचा होगा। स्त्री अपने आप को ऐसी गंदगी में डाल चुकी है, इतना तक कि किसी भी युग में किसी भी महिला ने कभी भी इस तरह की चीज के बारे में नहीं सोचा होगा जैसा कि हम आज करते हैं। और फिर भी अपने आप को मसीही कहते है। कितनी शर्मनाक बात है!

49 कोई आश्चर्य नहीं कि महान भविष्यव्यक्ता उठ खड़ा हुआ, और उसने कहा, "मैं भविष्यव्यक्ता नहीं हूं और न ही भविष्यव्यक्ता का पुत्र हूं, लेकिन... " कहा:

> *सिंह गरजा; कौन नहीं डर* सकता *है?* और... *परमेश्वर यहोवा* बोला, और *कौन भविष्यवाणी* न करेगा?

देखा? वहां कुछ तो है जिसे पुकार उठना है।

50 हम संकट की घड़ी में हैं; ये संसार है। लेकिन कलीसिया, सच्ची कलीसिया (ना कि संप्रदाय); लेकिन कलीसिया, स्वयं, अब तक की सबसे बड़ी विजय के लिए तैयार है: दुल्हन के लिए दूल्हे का आगमन।

51 हम टूटकर आ रहे हैं, एक मसीहा के लिए देख रहे हैं, कुछ तो, कि आकर और हमें बचाये, हमें इन सब से बाहर निकाले। हम नीचे की ओर देखते हैं, पूर्व में परेशानियां है। हम वहां अफ्रीका में विद्रोह की ओर देखते

हैं, और जातीय समस्याएं, और एकीकरण, और—और अलगाव। और ज्यादा समय नहीं हुआ, हम सब ने विवाद किया और शोर मचाया (हमारे अश्वेत मित्रों ने) इस विषय में, "हमारे पास होना ही है, हमारे पास एकीकरण होना चाहिए। यही है जिसकी हमें आवश्यकता है। हमारे पास अवश्य जी एकीकरण होना है; हर एक मनुष्य, बराबर, हर एक मनुष्य।" तो, यह पूरी तरह से ठीक है। यह बिल्कुल ठीक बात है। मैं गुलामी में विश्वास नहीं करता। वे लोग आरंभ से ही गुलाम नहीं थे। वे गुलाम नहीं हैं।

52 परमेश्वर अलगाववादी है। मैं भी अलगाववादी हूं। कोई भी मसीही अलगाववादी है। परमेश्वर अपने लोगों को बाकी सभी से अलग करता है। वहां—वहां हमेशा ही एक अलगाव रहा है। उसने एक राष्ट्र को चुना। वो लोगों को चुनता है। वो एक अलगाववादी है। उसने सारे राष्ट्रों को बनाया। लेकिन फिर भी, एक वास्तविक सच्चे मसीही को अलगाववादी होना है। खुद को संसार की चीजों से और हर चीज से अलग करते हुए, और एक उद्देश्य के साथ आते हैं, अर्थात यीशु मसीह में।

53 लेकिन वे इस पर चिल्लाते हैं। मैंने उन्हें बताने की कोशिश की है, "यह वो चीज नहीं है जो हमारे राष्ट्र को बचाने जा रही है। यह केवल एक राजनीतिक योजना है। यह एक—यह एक साम्यवादी पृष्ठभूमि की बात है।" मैं सोचता हूं कि मार्टिन लूथर किंग अपने लोगों को सबसे बड़े वध, नरसंहार की ओर नेतृत्व करेगा, जिसमें वे कभी रहे हैं। और वे... आप देखाओ, यह संसार को एक साथ एकजुट करने वाला नहीं है। यह हमें बचाने वाला नहीं है। हम उन्हें एकता देते हैं। अब यह पहले से भी बदतर है। देखिए, यह वह नहीं है... यह प्रश्न नहीं है। केवल एक ही चीज है जो ऐसा कर सकती है: वह है परमेश्वर। और निश्चय ही वे इसे नहीं चाहते।

54 वे तब उसे नहीं चाहते थे। वे टूटकर बिखर रहे थे, और उनकी राजनीति बिखर रही थी, उनके राष्ट्र टूट रहे थे, उनकी कलीसिया टूट रही थी, और वे एक मसीहा के लिए पुकार रहे थे। वे उसे चाहते थे। "ओह, हमारे लिए एक मसीहा को भेज।" लेकिन जब वह आता है...

55 परमेश्वर ने दिया... वो आपकी प्रार्थना का उत्तर देता है। आपने मांगा है, और आप इसे पाएंगे। और यह... मैं यहां कुछ घंटों के लिए रुक सकता हूं, पुरुषों और महिलाओं पर, यहां तक कि मसीही पर भी, किसी चीज के लिए प्रार्थना कर रहे हैं; और परमेश्वर उत्तर देता है और वे इसे पहचानते

भी नहीं।

56 और अब, परमेश्वर ने उन्हें उत्तर दिया। वे एक मसीहा को चाहते हैं। वे जानते थे कि उनके पास कैसर था, और उनके पास—उनके पास दाऊद था, उनके पास सुलेमान था (बुद्धिमान व्यक्ति), उनके पास दाऊद (शक्तिशाली योद्धा) था, उनके—उनके पास सभी प्रकार के लोग थे, लेकिन वे जानते थे कि उन्हें स्वर्ग से सहायता लेनी थी और वे... परमेश्वर ने उनसे एक मसीहा की प्रतिज्ञा की थी। और उसने उन्हें उनकी प्रार्थना के उत्तर में मसीहा को भेजा, लेकिन उन्होंने उसे नहीं चाहा।

57 मैं सोचता हूं, आज, यदि हमारी प्रार्थनाये... आप उन्हें कहते हुए सुनते हैं, "एक महान बेदारी के लिए प्रार्थना करें। *इसके* लिए प्रार्थना करें। आगे बढ़ने के लिए प्रार्थना करें। एकता के लिए प्रार्थना करें।" मैं सोचता हूं, यदि परमेश्वर ऐसी योजना को भेजता है, क्या हम इसे स्वीकार करेंगे। मैं बस सोचता हूं कि क्या हम उसे स्वीकार करेंगे जो वो हमारे लिए भेजता है। आप देखिए, वह... इसका कारण है कि हम इन चीजों के लिए प्रार्थना करते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि यह आवश्यकता में है। लेकिन जब परमेश्वर इसे इस तरह से भेजता है जिस तरह से वो इसे चाहता है, तो यह हमारे स्वाद के अनुसार नहीं होता है, और इसलिए हम इसे ग्रहण नहीं करते है। और उस दिन में ऐसा ही हुआ था। यदि वह उनके विश्वास के स्वाद के अनुसार नहीं था और उनके... वे—वे उसे आज फिर से ग्रहण नहीं करेंगे। यही कारण है कि उन्होंने यह प्रश्न पूछा, "यह कौन है? यह व्यक्ति कौन है जो आ रहा है? " देखो, यह एक—एक जबरदस्त समय था। ओह, हर कोई... एक तनाव था। कुछ तो घटित होना तय था।

58 और आज के संसार को देखिए, सारा संसार किस तनाव में जी रहा है। आप सड़क पर जाते हैं... यह—यह गाड़ी चलाना भी सुरक्षित नहीं है। चार लेन वाले महामार्ग पर होना सुरक्षित नहीं है। हर कोई एक तनाव में है, गुस्से में और... क्या मामला है? शांत हो जाये। आप कहां जा रहे हैं? यही है जो पागल संस्थाओं के भरने का कारण रहा है। यही है जिसने कलीसिया को ऐसी उथल–पुथल में डाल दिया है। वे—वे किसी विशेष बात पर बहुत अधिक अड़े होते हैं। वे नहीं रुकना चाहेंगे और ना परमेश्वर के वचन पर विचार करेंगे, और वो घड़ी जिसमें हम जी रहे हैं; सब खींच–तान में है, तनाव में है।

59 और अब, हम जानते हैं, हम जागृत हैं। धरती अभी कुछ बड़े जन्म की पीड़ा में से होकर गुजरी है। और कलीसिया कुछ जन्म की पीड़ा में से होकर गुजर रही है। इसे जन्म के दर्द से होकर जाना था इससे पहले कि यह दे सके... हर एक भविष्यवक्ता, जब वे संसार में आए, यह कलीसिया के लिए जन्म की पीड़ा थी। संसार पहले विश्व युद्ध, दूसरे विश्व युद्ध में से होकर गुजरा है, और अब यह तीसरे विश्व युद्ध के लिए तैयार है। और यह फिर से जन्म की पीड़ा में है। लेकिन वहां केवल एक ही चीज है जो शांति को ला सकती है, और वह है मसीह।

60 हमारी सारी योजनाये, और हमारे विचार, और हमारे कलीसिया संबंधी निर्माण, और हमारी सारी राजनीति, और हमारा सारा विज्ञान और हर चीज, यह साबित हो गया है कि यह व्यर्थ की चीजें है। और फिर हम परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि—कि हमारी सहायता करे, हस्तक्षेप करे, "अंदर आकर और हमारे लिए कुछ तो करे।" और फिर जब वह करता है, मैं तब सोचता हूं कि क्या हम इसे समझने में सक्षम होंगे; क्या हम इसे ग्रहण करने में सक्षम होंगे; या हम इस पर विचार भी करेंगे?

61 अब, यही है जो उन दिनों में किया गया था। वे प्रार्थना कर रहे थे, उनके पास हर प्रकार के बड़े–बड़े अगुवे थे, वे सरकारों के अधीन रहे थे, वे राजतंत्र के अधीन रहे थे, वे हर चीज के अधीन रहे थे, न्यायाधीशों के अधीन रहे थे। लेकिन वे जानते हैं कि केवल एक ही चीज़ है जो उन्हें बचा सकती है, वह है आने वाला मसीहा। और *मसीहा* का अर्थ है "वो एक जो अभिषिक्त है।" एक मनुष्य जिसका अभिषेक किया गया था। तब मनुष्य जाति, वो वचन से अभिषिक्त है। वचन हमारे बीच देहधारी हुआ। और जब वह आया, वह—वह ठीक उस स्वाद के अनुसार नहीं था जो वे उसे चाहते थे; ना ही वो स्वाद अनुसार जो उनके... कि उसे वहां पर आना चाहिए। इसलिए वे—वे—वे चिल्ला उठे, "यह व्यक्ति कौन है? यह सारा शोर–गुल किस विषय में है? " किसानों का एक झुण्ड वहां फाटक पर था, खजूर तोड़ रहा था और...

62 और उसने कहा, "क्यों, उन्हें चूप करने को लगाओ। वे हमें परेशान कर रहे हैं, जिस तरह से वे चीख रहे हैं, और चिल्ला रहे हैं, और करते ही जा रहे हैं।"

63 उसने कहा, "यदि वे चुप हो जाते हैं, तो ये चट्टानें तुरंत चिल्ला उठेंगी।"

64 ओह, समय प्रगट हो रहा था! भविष्यवाणी पूरी हो रही थी। कोई आश्चर्य नहीं! "सिंह गरजा है, और कौन ना डरेगा? और परमेश्वर ने बोला है। कौन भविष्यवाणी करने से नहीं रुक सकता? "

65 "नहीं, यदि वह हमारे अपने स्वाद के अनुसार नहीं है... यदि वह ठीक उसी तरह से नहीं है जैसा हम उसे चाहते थे, जिस तरह से हमने सोचा कि उसे आना चाहिए, हम उसे ग्रहण नहीं करेंगे।" तब, यह उनके मत–सिद्धांत थे जिसने उन्हें लिखित वचन से बहुत दूर कर दिया। वे इतने दूर हो गये थे, वे उसे पहचानने में असफल रहे जिसके आने के लिए उन्होंने प्रार्थना की थी। उनकी कलीसियाये उन्हें इतनी दूर ले गयी थी, यहाँ तक कि उसी चीज के लिए जिसके लिए उन्होंने प्रार्थना की थी, ठीक उनके साथ थी, और यह उनके स्वाद के अनुसार नहीं था, और इसलिए वे—वे—वे इसका विश्वास नहीं कर पाए। उन्हें इससे दूर जाना ही था। उन्होंने इसे बाहर निकाल दिया। वे... वहां केवल एक ही चीज है जो आप कर सकते हैं जब आप मसीह से मिलते हैं। यही है या तो उसे स्वीकार करे या उसे अस्वीकार करे। आप कभी भी दोनों से सहमत होकर नहीं जा सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते। यह—यह आपके लिए नहीं है कि ऐसा करें। यह बस इसी तरह से है।

66 जरा ध्यान दें, कितने थोड़े लोगों ने उसे उस दिन के अभिषिक्त वचन के रूप में पहचान लिया। देखो, परमेश्वर आदि में, अनंत होने के नाते, और सारी चीजों को जानता था आरंभ से लेकर... और ये सभी चीज़ें केवल उसके गुणों का प्रदर्शन हैं। एक गुण... आपके पास एक गुण है। यह आपका विचार है। आप कुछ तो *चीज* को सोचते हैं, उसके बाद आप इसे *बोलते* हैं, तब आप इसे *लेते* हैं। यही परमेश्वर है। वो, आरंभ में... यदि आप... यदि आप कभी थे या कभी स्वर्ग में होंगे, तो आप आरंभ से ही स्वर्ग में थे। आप परमेश्वर के भाग है। आप उसके विचार थे। वह आपके नाम को जानता था। वह जानता था कि आप कौन थे, इससे पहले कभी कोई एक—एक—एक अणु था, इससे पहले कि वहां एक उजियाला हो। इससे पहले कि वहां कुछ होता, वह आपको और आपके नाम को जानता था। और इसे मेमने की जीवन की पुस्तक में डाल दिया, इससे पहले कि संसार कभी बना था। देखो, आप उसके विचार थे। और फिर एक... तब आप एक वचन बन जाते हैं। और एक शब्द एक—एक विचार को व्यक्त करता है। तब आप प्रकट होते हैं।

67 इसी प्रकार से वो था। वह आरंभ में अपने आप में अकेला था। परमेश्वर अपने विचारों के साथ अकेला रहता था। वह ऐसा फिर से कभी नहीं करेगा क्योंकि उसके विचार प्रकट किए जा रहे हैं। और इसी कारण हम ठीक यहां पर हैं, इस दिन... परमेश्वर अपने विचारों के साथ संगति कर रहा है, प्रकट बन रहे है। देखा? वहां हम हैं। इसलिए, आप, विचार को लेते हुए, अपने डील–डौल में एक हाथ की नाप भी नहीं जोड़ सकते। आप *ये, वो*, या *कुछ* और नहीं कर सकते। यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है। यह परमेश्वर है। "सब जो पिता ने मुझे दिया है, वे मेरे पास आएंगे, और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे ना खींच लाये।" इससे बात ख़त्म हो जाती है।

68 अब, जरा ध्यान दें, उसके दिन में उनमें से कितने थोड़े लोग थे, धरती पर के लाखों लोगों में से, जो यहां तक उसके यहां होने के बारे में कभी भी नहीं जानते थे। जरा सोचे, वहां दसो... लाखों लोग थे जो कभी भी इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे। और ये सोचकर, कि उस समय इस्राएल में पच्चीस लाख लोग फिलिस्तीन में थे, इस्राएलियों के, और उनमें से सौवां भाग कभी भी इसे नहीं जानता था। कोई आश्चर्य नहीं कि उसने कहा, "सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग, लेकिन थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।" जरा सोचे कि कितने लोगों ने उसे नहीं पहचाना! नहीं जानते थे कि वो वह था। और वे लोग ठीक उसके आस–पास थे जहां पर वह था; यह दयनीय भाग है।

69 वे लोग जो उसके साथ चले, और उसे सड़क और इत्यादि पर देखा था... उन्होंने—उन्होंने नहीं पहचाना कि वह कौन था, क्योंकि शैतान ने देखा कि उसके पास वो—वो सबसे गन्दा नाम था जो एक व्यक्ति को दिया जा सकता था। उसे संसार के द्वारा उस नाम से बुलाया गया था, उसे स्वाभाविक संसार के द्वारा उसे—उसे नाजायज बुलाया गया, क्योंकि उसने कहा कि माता उससे मां बनना था, यूसुफ के द्वारा, इससे पहले कि वो उससे विवाह करे। इसलिए उसने उसे एक नाजायज नाम दिया।

70 और फिर से, उस—उस कलीसिया ने उसे प्रगटीकरण में आपने की उसकी महान सामर्थ में देखा। क्या प्रगट कर रहा है? ना ही मत–सिद्धांत को प्रगट कर रहा है! वह वचन को प्रगट कर रहा था! वह स्वयं अभिषिक्त वचन था। और जब उन्होंने इसे जगह लेते हुए देखा (प्रगटीकरण, अभिषिक्त

मसीहा को), उन्होंने इसे ठुकरा दिया। वे इसे नहीं चाहते थे। यह उनके स्वाद के अनुसार नहीं था। यही दयनीय भाग है। कितने लोग... ? इस पर जरा सोचिए! वैसे ही जैसे दूसरे दिनों में हुआ।

71 देखो, हर एक के पास वचन का उनका अपना अनुवाद था। यही है जो... यही कारण है इस्राएल ने मूसा को नहीं पहचाना। यही कारण है कि संसार ने नूह को नहीं पहचाना। यही कारण है कि सारे भविष्यद्वक्ताओं को पहचाना नहीं गया था। उनके पास वचन का उनका अपना अनुवाद है। लेकिन परमेश्वर, हर एक युग में, उसके पास उसका मसीहा रहा है। समझे? नूह के संदेश को अस्वीकार करना, परमेश्वर को अस्वीकार करना था। नूह को अस्वीकार करना, नाश होना था। मूसा को अस्वीकार करना, नाश होना था। यह... वे उस युग के लिए अभिषिक्त मसीहा थे, वो वचन जिसकी उस युग के लिए प्रतिज्ञा की गई थी। और जब यीशु आया, वह वचन की परिपूर्णता था।

72 परमेश्वर, स्वयं, एक मनुष्य की डील–डौल में बनाया गया, हड्डियों और मांस से; एक अभिषिक्त जन। और उन्हें इसे देखना चाहिए था। लेकिन आप देखते हैं, उनकी—उनकी कलीसिया के संसार ने यहाँ बहुत जोड़ दिया था और यहाँ से निकाला था और—और इत्यादि, इतना तक कि यह इतना गड़बड़ा गया था यहाँ तक कि वे—वे बजाये वचन के—के उनके कलीसिया में विश्वास करते थे। और जब उन्होंने अपनी कलीसिया को अभिषिक्त होते देखा, तब उन्होंने सोचा कि कुछ बड़ी बात जगह लेने जा रही है। लेकिन जब उन्होंने उस—उस वचन को अभिषिक्त देखा, तब उन्होंने कहा, "यह तो कट्टरपंथी है। यह मनुष्य एक शैतान है, एक बालजबुल है।" क्योंकि यह उनकी कलीसिया के इतना विपरीत था यहाँ तक... उनके कलीसिया के मत–सिद्धांत और जो उन्होंने किया था। और इसी प्रकार से भविष्यव्यक्ता के हर आगमन में, कलीसिया बहुत ही गड़बड़ा जाती है।

73 परमेश्वर ने अपने नियमो को नीचे भेजा और उन्हें एक वाचा दी। और याजक आकर और काट देता, और जोड़ देता, और यहां से निकाल देता, और इसमें से एक मत–सिद्धांत को बनाता। और फिर, परमेश्वर कहीं से किसी अभिषिक्त मनुष्य को उठा कर खड़ा करेगा जो आत्मा की सामर्थ में होगा। और उसे हमेशा ही याजकों के द्वारा और राजाओं के द्वारा घृणा

किया गया था। और—और जहाँ झूठे भविष्यव्यक्ता उनके मुलायम कपड़े पहनते थे, और नम्रता से, और राजाओं और याजकों के बीच में धीरे–धीरे चलते, ताकि बड़े–बड़े नाम और—और चीजों को पा रहे हो। तब वो असली, सच्चा भविष्यवक्ता, कहीं से भी नहीं आया, ना ही उनके संगठन से।

74 बाईबल में ऐसा कोई कहां—कहां है, जहां परमेश्वर ने कभी एक याजक को लेकर और उसमें से एक भविष्यव्यक्ता बनाया? कहाँ पर परमेश्वर ने कभी एक कलीसिया संबंधी धर्मज्ञानी को लिया (प्रशिक्षित मनुष्य, धर्मज्ञान का प्रशिक्षित मनुष्य) और उसमें से एक भविष्यवक्ता बनाया? कभी भी इतिहास में कहीं भी नहीं हुआ, उसने कभी ऐसा नही किया, किसी भी युग में... उसने कभी ऐसा नही किया है। उसे उस सिद्धांत से दूर जाकर, और इसे ऊपर लाना है। और यही है जो उसने यहां किया था।

75 यीशु, जब वह यहूदिया के बेथलेहम में जन्मा था, एक निर्धन परिवार में से, और उसकी कोई पृष्ठभूमि नहीं थी जैसा कि वे जानते थे, वो बस यहूदा के—के गोत्र में से एक था, और उसके माता और पिता दाऊद के वंश से थे; और उन्हें वहां ऊपर आकर और टैक्स को भरना था। और यहाँ वो था, बस एक युवा व्यक्ति, लगभग... कलीसियाओ को तोड़ने के अलावा कुछ भी नहीं कर रहा था। और उन्होंने उससे घृणा की। और वे यह नहीं कह सकते थे कि उस मनुष्य ने अद्भुत कार्य नहीं किए है। पतरस ने इसे पेंटीकोस्ट के दिन पर व्यक्त किया, कहा, "नासरत का यीशु, एक मनुष्य जिसे परमेश्वर ने हमारे बीच में पुष्टी की, कि परमेश्वर उसके साथ था।" और ना ही उसके वचन में जोड़ना या कोई भी चीज; इसे थोड़ा सा स्पष्ट करने के लिए: "वो परमेश्वर हमारे साथ देहधारी हुआ था। परमेश्वर हमारे साथ है।"

76 और एक रात को कह रहा था, कि मूसा, अपने हाथों को छाती में लिए हुए खड़ा है, वह... यह मूसा में परमेश्वर था। वह... (उन भेदों को अपने ह्रदय में थामे हुए), और हाथ को कोढ़ से सफेद कर दिया। फिर इसे अपनी छाती में से वापस खींचा और इसे चंगा कर दिया, और फिर इसे फिर से हमारे लिए आगे बढ़ाया जब उसने पवित्र आत्मा को नीचे भेजा; जो कि फिर से परमेश्वर था, पेंटीकोस्ट के दिन पर बस दूसरे रूप में। और हम इसे ठुकरा देते है। हम इसे नहीं चाहते। तब उन्होंने इसी प्रकार से किया।

हम आज शायद इसे इसी तरह से करेंगे।

77 हम देखते हैं, हर मनुष्य का उसका अपना अनुवाद होता है। इसीलिए यह बहुत ही उलझाने वाला हो रहा है। लेकिन आप जानते हैं, बाईबल ने कहा, कि, "इस वचन का कोई निजी अनुवाद नहीं है।" इसे एक प्रेस्बिटेरियन अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। इसे बैपटिस्ट अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। ना ही इसे पेंटीकोस्टल अनुवाद की आवश्यकता है। परमेश्वर उसका खुद का अनुवादक है। उसने कहा कि वह इसे करेगा, इसलिए वह बस इसे करता है, और इससे बात ख़त्म हो जाती है। सो इसीलिए इसी कारण वे अभिषिक्त प्रतिज्ञा के वचन को देखते हैं और फिर वे—वे इसे ग्रहण नहीं कर सकते, आप देखते हैं, क्योंकि यह उनके—उनके मत–सिद्धांत के विपरीत है।

78 मसीहा (वो जो एक अभिषिक्त है) कैसा दिखाई देगा, और वह क्या करेगा; यह उनकी समझ से बहुत ही परे था। और फिर जब यह उन्हें वचनों में से पढ़कर सुनाया गया था, कि वह क्या करेगा, फिर भी उन्होंने इसे नहीं समझा। क्योंकि जब ये ज्ञानी पुरुष ऊपर बाबुल से वहां पर आए, वे यरूशलेम से कुछ उत्तर–पूर्व में थे, और नीचे की देखा और उस तारे को पश्चिम की ओर जाते हुए देखा। उन्होंने दो वर्षों तक इसका अनुकरण किया, हिद्दे्केल नदी के पार आते हुए, और घाटियों और शिनार से होते हुए, और नीचे आ गये, वे सारे धर्मो के मुख्य नगर में आते है। संसार का सबसे बड़ा धर्म, मंदिर में, यरूशलेम में। और सड़कों पर ऊपर और नीचे यह कहते हुए जा रहे है, "वह कहाँ है? कहाँ है वो जो यहूदियों का राजा जन्मा है? " क्यों, कोई भी इसके विषय में कुछ नहीं जानता था। यह अजीब बात थी।

79 यहां तक कि यहूदियों की महासभा में हड़कंप मच गयी... विद्वानों को बुलाकर और कहा, "वचन में पढ़ो जहां एक मसीहा... "

80 और उन्होंने जाकर और वचनों को लिया और पढ़ा कि मीका ने यह कहा, "वहां... यहूदिया... हे बैतलहम, जो यहूदा में है, तू किसी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सब से छोटा नहीं? क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा।"

देखो, बजाये इसके कि जांच–पड़ताल करे, उन्होंने इसे ऐसे ही टाल दिया, "तो ठीक है, यह कट्टरवादी का एक झुंड है।" देखा? इसीलिए चरवाहों ने संदेश को लिया। देखो, वे नहीं... उनके पास उनका अपना

अनुवाद है, इसलिए, वे—वे वास्तविक सच्ची बात से चूक जाते हैं।

81 लेकिन हमेशा की तरह, जब वह आया, तो वह बिल्कुल वैसे ही आया जैसे वचन ने कहा था कि वह आएगा। वह शहर में ठीक उसी तरह से आया, जैसा कि आज सुबह हमारे विषय में बताया गया था, जिस तरह से वचन में कहा गया था कि वह आएगा। और उन्होंने कहा, "कौन है यह?" क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है? उन्हें पता होना चाहिए था कि यह कौन है। और यहाँ... ना ही बाहरी संसार, लेकिन कलीसिया के संसार ने कहा, "यह कौन है? यह कौन है?" जब, वहां पर, वचनों ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वो ठीक इसी तरह से आएगा। और वे कहते हैं, "यह कौन है? यह व्यक्ति कौन है? यह सारा आवेश किस विषय में है? शोर मचाना बंद करो, यह हमें परेशान करता है।" उह–हुंह। देखा? वो... देखा? वही चीज जिसके लिए उन्होंने प्रार्थना की थी ठीक उनके हाथ में थी, और उन्होंने इसे नहीं पहचाना। और वह बिल्कुल ठीक उसी तरह से आया जैसे वचन ने कहा कि वह आयेगा। और यदि वह आज करता है, तो वह ठीक उसी तरह से आएगा जिस तरह से वचन कहता है कि वह आएगा। वह हमेशा ही परमेश्वर के वचन के स्वाद के अनुसार ही आता है, और ना ही इसके बारे में किसी धर्मज्ञानी के विचार के अनुसार।

82 वैसे, क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर का वचन कभी भी एक धर्मज्ञानी के पास नहीं आया? वचनों को ढूंढे जहां इसने ऐसा कभी किया है। वचन धर्मज्ञानियों के पास नहीं आता है; बिल्कुल भी नहीं। लेकिन आप देखिए, यदि वचन आज प्रगट हुआ, हमारे दिनों के लिए वचन, यह परमेश्वर के वचन के स्वाद के अनुसार होगा। ना ही किसी के विचार के स्वाद के अनुसार। परमेश्वर अपने वचन को लेगा जिसकी उसने इस दिन के लिए प्रतिज्ञा की है, और इसे अभिषेक करेगा, और यह घटित होगा। ऐसा ही है। इसे घटित होने से रोकने का कोई तरीका नहीं है। यह किसी भी तरह से पूरा होगा, कोई फर्क नहीं पड़ता कि कलीसिया क्या कहती है और बाकी के लोग क्या विश्वास करते हैं और, यह, परमेश्वर इसे किसी भी तरह से करेगा। वहां बहुत थोड़े ही होंगे जो कभी इसके बारे में जान पायेंगे। यह सही बात है, बस बहुत ही थोड़े। यह हमेशा से ऐसा ही था।

83 देखो, उनके अपने खुद के अनुवाद के साथ, वे और कुछ नहीं कर सकते थे क्योंकि वे उस बात पर निर्भर थे जो कलीसिया ने उन्हें बताया

था। लेकिन वह आता है... वह हमेशा तब आता है... उसने तब किया, मेरा मतलब, और वो हर बार जब वह आता है, और जो कुछ भी वह करता है, यह वचन के स्वाद के अनुसार होगा। इसलिए, हम भरोसा नहीं रख सकते कि दूसरे लोग क्या कहते हैं। केवल एक ही चीज है जिस पर आप भरोसा रख सकते हैं, और वह वचन है। और वचन परमेश्वर है। और वचन अभिषिक्त मसीहा को बनाता है; उस समय का अभिषिक्त वचन। कितना सुंदर! वे इससे चूक गए, वचन; सही... उनके पास... वचन हमेशा ही सही होता है, लेकिन उनका इसके विषय में अनुवाद गलत था।

84 मैं सोचता हूं कि क्या यह बड़ी चीज, यह विश्वव्यापी परिषद जो आज हमारे पास संसार में है, और कलीसियाओ की विश्व परिषद एक साथ एकत्र होकर हम सभी को एक बना रही है... मैं सोचता हूं यदि वे यह समझते हैं कि... यही ठीक वही है जो वचन ने कहा कि वे ऐसा करेंगे। लेकिन वे सोचते हैं कि यह संसार की सबसे अद्भुत चीज है, कि हम सब हाथ मिलाकर और एक हो सकते हैं। कहा, "यीशु ने प्रार्थना की कि हम एक हो सके।" यह सच है। लेकिन उस तरह का एक होना नहीं।

85 उसने कहा, "एक बनो जैसे मैं और पिता एक है।" जी हां, इस प्रकार का एक होना। तब यह कैसे होगा? हमारे अंदर का वचन अभिषिक्त वचन होगा। यही परमेश्वर की एकता है। देखो, परमेश्वर की एकता ये वचन है जो आप में अभिषिक्त है। देखा? और तब आप उस युग के पुत्र (एक मसीहा) बन जाते हैं।

86 अब हम लोगों को बहुत कुछ उसी तरह से पाते हैं। लोग नहीं बदलते। ये लोग तीन झुण्ड में बँटे हुए थे। और अब हम इसे कुछ मिनटों के लिए देखेंगे। मैं जानता हूं कि मैं अब थोड़ी देर तक आगे जाऊंगा, यदि आपको कोई आपत्ति न हो। मैं बस इतना धीमा जाता हूं, मैं—मैं—मैं बस... मैं नहीं जानता; मैं—मैं अंदर जाकर और वचन जो लिखता हूं, और छोटे–छोटे नोट्स तैयार करता हूं। और फिर मैं—मैं वहां पर जाता हूं और वो—वो पवित्र आत्मा एक को हाथ में लेता है, और मैं—मैं—मैं—मैं... बस ऐसा दिखाई देता है कि इसका कोई अंत नहीं है। यह बस चलता ही रहता है। लेकिन, अब, हमारे विषय पर आते है।

87 वे वहां तीन अलग–अलग झुंडों में विभाजित थे, तीन अलग–अलग मतों के साथ थे। उनमें से कुछ लोगों ने उस पर विश्वास किया। उनमें से

कुछ ने उससे घृणा की। और उनमें से कुछ लोग नहीं जानते थे कि क्या करना है।

88 समझे? इसी—इसी प्रकार से हम इसे पाते है। मैंने प्रचार किया था, मैं सोचता हूं एक बार इसी कलीसिया में: *विश्वासी, बनावटी–विश्वासी, और अविश्वासी*। वे तीन झुण्ड में थे, ऐसा आपके—आपके पास हर जगह होते है। यह भी तीन झुण्ड में है; देखते हुए लोगों की इस स्थिति हमेशा से ऐसे ही रही है। हम बहुत पीछे जा सकते हैं और साबित कर सकते हैं, कि हमेशा ही लोगों की यही स्थिति ऐसी ही होती है। वे हमेशा ही इसी तरह की परिस्थिति में रहे हैं।

89 तब यह देखते हुए कि यह हमेशा से ऐसा ही रहा है, तब यह हमें विश्वास करने के लिए प्रवृत्त या इच्छुक करता है जिसे परमेश्वर ने लोगों को इस तरह से तैयार किया है। क्यों, वह अपने शत्रु को उसकी स्तुति करने को लगायेगा। हर एक चीज... पौलुस ने, रोमियों के 8वें अध्याय में लिखते हुए, कहा, "ओह, मूर्ख मनुष्य। क्या—क्या मिट्टी कुम्हार से कह सकती है, क्यों मुझे... मुझे इस प्रकार से क्यों बनाता है? क्या उसके पास अधिकार नहीं है कि एक बर्तन को आदर के लिए और दूसरा निरादर के लिए बनाये? " क्या होता यदि उसने रात ना बनाई होती? आप कभी भी सूर्य के प्रकाश की सराहना नहीं करते। यदि यह सारा सूर्य का प्रकाश ही होता, तो आप नहीं जानते कि इसकी सराहना कैसे करना है। क्या होता यदि कोई बीमारी नहीं होती? आप कभी नहीं जान पाएंगे कि अच्छे स्वास्थ्य की सराहना कैसे करें। क्या होता यदि कोई बुरे लोग नहीं होते? ना ही कोई बुरी महिला? एक अच्छी महिला को आदर नहीं किया जाएगा। देखा? वे नहीं... उसका आदर नहीं होगा, क्योंकि यह बस इसी तरह से है, यह बस एक सीधी, सपाट चीज है। लेकिन यह विरोधाभास का नियम है।

90 परमेश्वर इसे इसी प्रकार से बनाता है: एक का बहुत निरादर करेगा, जिससे कि एक को आदरणीय दिखाये; एक बात इतनी गलत है, कि यह सामने आ जाता है... यदि ऐसा नहीं है, तो यह सही बात होगी। यदि वहां नहीं... वहां एक नकली डॉलर नहीं हो सकता है जब तक कि एक असली डॉलर न हो। और फिर फर्जी है... यदि इसे आरंभ से ही नकली बनाया गया होता, तो यह असली वाला होता। लेकिन यह—यह एक नकल है। वहां नहीं हो सकता... वहां पाप नहीं हो सकता जब तक कि वहां धार्मिकता

ना हो। क्योंकि धार्मिकता ही वो—वो सही चीज है, और पाप धार्मिकता का बिगाड़ किया गया रूप है। दूसरे शब्दों में, एक सच्चाई एक सच्चाई होती है। एक झूठ, झूठ नहीं हो सकता जब तक कि पहले एक सच्चाई ना हो; ताकि उस सच्चाई को झूठ में बदले। इसलिए सारे पाप और कुछ नहीं केवल धार्मिकता का बिगाड़ किया गया रूप है। इसलिए, वहां संसार में एक व्यवस्था है।

91 दो व्यवस्था; और उनमें से एक *सही* व्यवस्था है, और दूसरी एक *बिगड़ी* हुई व्यवस्था है। और उनमें से एक परमेश्वर का वचन है, जो कि सही है; और हर एक मनुष्य का शब्द झूठा है। और यह संप्रदायिक व्यवस्था आज हमारे पास है, विश्व कलीसिया परिषद का गठन कर रही है ताकि पशु की छाप को बनाये कि वे एक साथ उभर कर आये, यह गलत चीज है। और मनुष्य आँख बंद करके इसमें चल रहा है।

92 परमेश्वर ने उन्हें छुड़ाने के लिए धरती पर कुछ चीजें रखी हैं। लेकिन वे सोचते हैं कि यह कट्टरवादियों का एक झुंड है। वे इसे नहीं चाहते। वे इसे बदल देते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें इसके बारे में कुछ करना होगा। उन्हें अपनी खुद की व्यस्वथा को बनाना चाहते है। परमेश्वर के पास पहले से ही यहाँ पर व्यस्वथा है, उसका वचन। लेकिन हम इसे नहीं चाहते। इसलिए आज हम अपने आप को वैसा ही पाते हैं, बिल्कुल जैसे वे उस वक्त थे।

93 और अब, यह देखते हुए कि लोगों को उस तरह से तैयार किया गया है... ध्यान दें, आप कहते हैं... मैं—मैं जानता हूं कि मैं बहुत समय ले लेता हूं, लेकिन मैं इसे निरंतर देखते रहना नहीं चाहता क्योंकि यह मुझे परेशान कर देता है। देखा?

94 राजनीति; अब हम इस तरह से लेते हैं... आइए बस उदाहरण के लिए लेते हैं... यह देखने के लिए कि क्या लोगों को तीन—तीन वर्गों में तैयार किया गया है। आइए राजनीति को लेते हैं। वहाँ कुछ लोग है जो एक मनुष्य के लिए आगबबूला हो जाते है। और दूसरा झुंड उससे घृणा करता है। और दूसरा झुण्ड नहीं जानता कि उसके विषय में क्या करना है; वे नहीं जानते कि कौन सही है, और यह उन्हें एक उलझन में डाल देता है।

95 *इस* व्यक्ति ने कहा, "ओह, वह एक महान मनुष्य है। वो—वो हमारे लिए सबसे अच्छा राष्ट्रपति बनेगा।"

दूसरे एक ने कहा, "वह कुछ नहीं केवल एक धर्मत्यागी है।"

96 तब *बीच में* था उसने कहा, "अब मैं नहीं जानता कि क्या करना है।" देखा? देखो, हम इस तरह से तैयार किए गए हैं। हम इसी तरह से बने हैं। मनुष्य जाति इसी प्रकार से है। परमेश्वर की महान अर्थव्यवस्था को पूरा करने के लिए ऐसा ही होना था। और अपनी उपलब्धि को पूरा करने के लिए जिसे वह धरती पर प्राप्त करने जा रहा है, मनुष्य को इसी प्रकार से तैयार किया जाना था। एक *सही* है। *दूसरा* एक गलत है। और दूसरा वाला दोनों के *बीच* में है। यह हमेशा से ऐसा ही रहा है।

97 ध्यान दें, वे हर समय ऐसा करते हैं कि वे नहीं जानते... वो व्यक्ति जो बीच में है, यह एक ख़राब स्थान है क्योंकि: कोई भी इस कारण को दिखा सकता है, वह क्यों सोचता है कि वह सही है; दूसरा एक दिखा सकता है कि वह किस तरह से सोचता है कि वो गलत है; और जो बीच में है वो इस विषय में कुछ भी नहीं जानता, वह नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है। और इसी तरह से यह धर्म में होता है। लोग आज भी इसी चीज को अपने अनंत मंजिल के विषय में करते हैं।

98 अब हम चोट पहुँचाने जा रहे हैं, बस एक मिनट। वे इसे अपने अनंत मंजिल के बारे में करते हैं। एक मनुष्य यहां पर—पर... खाने के लिए जाएगा। और यदि आप अपने सूप के कटोरे में एक मकड़ी को देखते हैं, तो आप उस कंपनी या उस होटल पर मुकदमा करना चाहेंगे। क्यों, आप उस सूप को नहीं खायेंगे, यह जहर हो गया होगा। आप—आप—आप—आप इसे बिल्कुल भी नहीं लेना चाहेंगे, यदि एक बड़ा कोकरोच या कुछ तो सूप के कटोरे में उबाला हुआ हो। क्यों, आपके पास यह बिल्कुल नहीं पियेंगे। यह आपको इसके बारे में सोचकर बीमार हो जायेंगे। लेकिन फिर भी, आप कुछ धर्मज्ञानियों के झुण्ड को आपके गले से नीचे उतरने देंगे, जो आपको परमेश्वर से लाखों मील दूर भेज देगा, और इसे निगल लेते है। जबकि, "मनुष्य परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" यह एक जंजीर है जिस पर आपका प्राण अधोलोक के ऊपर लटक रहा है। और जैसा कि मैंने पहले कहा है, "एक जंजीर अपने सबसे कमजोर कड़ी पर सबसे मजबूत होती है।" एक कड़ी को तोड़ना... आपको बस इतना करना है कि उनमें से एक को तोड़ना है; बस इतना ही। उनमें से बाकी के कड़ियाँ इसके साथ ढीली पड़ जाती हैं। यह केवल अपने सबसे कमजोर कड़ी जितनी ही मजबूत होती है।

99 अब... और एक व्यक्ति जो जानता है कि यदि आप उस सूप को उसमें जहरीली मकड़ी के साथ खाते हैं, तो यह हो सकता है आपको बीमार कर देगा। आपको अस्पताल जाना होगा, और—और आपके पेट को पंप करना होगा और बहुत सारी परेशानी से होकर गुजरना होगा। और यह असल में आपको मार सकता है। लेकिन, प्रभु! आप... क्यों, आप कभी भी इस तरह के स्थान पर नहीं जायेंगे। आप कभी उस दरवाजे पर वापस नहीं जाना चाहेंगे, क्योंकि आपको—आपको—आपको डर होगा कि कहीं आपको ज़हर न दे दिया जाए और आप मर न जाए। और फिर आप पूरी तरह से जुड़ जाएंगे, अपने नाम किताबों पर डालेंगे, और उसी बात के लिए लड़ेंगे जो बाईबल ने कहा, "यह आपके देह को नुकसान नहीं पहुंचा रहा है, लेकिन आपके प्राण को नरक में भेज रहा है।" देखा? कितनी अजीब बात है कि लोग ऐसा करते हैं। वे—वे... वे उनके अनंत मंजिल को लेते हैं, इसे किसी धर्मज्ञानी ढांचे पर आधारित करते हैं। और आप उनके लिए वचन को ला सकते हैं, कहे, "यही है जो बाईबल ने कहा है। यहाँ यह ठीक यहाँ पर है।"

100 और धर्मज्ञानी इसकी ओर देखते हैं, "अच्छी बात है, पर यह किसी और दिन के लिए था।" देखा? और आप उसकी सुनते हैं। आप देखिए परमेश्वर क्या कहता है। एक असली, सच्चा मसीही केवल उस वचन को सुनता है, और ऐसा ही है। परमेश्वर का जन उसी रोटी के द्वारा जीवित रहता है।

101 ध्यान दें, कुछ—कुछ लोग वचन में विश्वास करते हैं। जबकि दूसरे लोग उनके सांप्रदायिक अनुवाद में विश्वास करते हैं। और कुछ और भी है, इस उलझन में, जो नहीं जानते कि क्या विश्वास करें।

102 अब उनमें से *कुछ* ने कहा, "ओह, यह विश्व कलीसिया परिषद, यही चीज है जो होने जा रही है। यह हम सबको एक करने जा रहा है। ओह, बस यही है।"

103 और *दूसरे* कहते हैं, "क्यों, यह शैतान की ओर से है! यहाँ यह वचन में है।"

104 फिर वह *मनुष्य जो समय को नहीं लेता है* कि बैठकर और प्रार्थना करे और इसे ढूंढे, उसने कहा, "ओह, इसे भूल जाओ।" उह–हुंह। इसे भूल जाये? यह आपके... आपके इस कथन के द्वारा, भाई, आपके स्थान पद के द्वारा, जिस शब्द का आप उपयोग करते हो, ये आपको आपके अनंत

मंजिल पर भेज देगा जहां आप हमेशा के लिए होंगे। ऐसा ना करे।

105 यह हमारे लिए उचित है कि जब इस प्रकार की कोई बात ऊपर आती है तो बैठ जाये। और एक प्रश्न, जैसे यीशु के दिनों में; जब वे आये, कलीसिया ने कहा, "ओह, वह तो बस एक धर्मत्यागी है। उसके लिए कुछ भी नहीं है।"

106 लेकिन एक ने कहा, "वचनों में ढूंढो," उसने कहा, "उनमें तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वे तुम्हें बताते हैं कि मैं कौन हूं।"

107 तब पुरुष, महिलाये, कोई भी मसीही दर्जा है उसके साथ, या उनके अनंत मंजिल में रुचि रखते हैं, उन्हें वचनों में खोजना चाहिए और देखना चाहिए कि वो कौन था। उसके बाद यह प्रश्न नहीं उठेगा, "यह कौन है?" वे कहेंगे, "यहाँ है वो!" यही वो अंतर है। देखो, यह मनुष्य है, वे—वे—वे बस इसी तरह से होने के लिए इच्छुक होंगे। कुछ लोग इसके लिए ठहराए गये हैं। यह कहना कठिन है, लेकिन यह सत्य है। यह इसे दिखाता है। देखा?

108 अब, आज, *कुछ* लोग कहते हैं, "मैं वचन पर विश्वास करता हूं। वचन सत्य है; इसका हर एक वचन।"

109 *दूसरे* कहते हैं, "ओह, हमारे पास्टर जाकर और इस तरह के सीखते हैं... वे जानते हैं कि इसके विषय में क्या कहना है।"

110 *दूसरो* ने कहा, "तो ठीक है, मैं नहीं जानता। मैं *इसका* सदस्य हो गया। मुझे *यह* पसंद नहीं आया। मैं यहां पर गया और *इसमें* जुड़ गया। मैं—मैं नहीं जानता कि किस से संबंध रखूं।" देखा? बस इसी तरह से यह उस समय पर था, उसी प्रकार की भीड़। तो यह हमेशा से ऐसा ही रहा है, आरंभ से, और यह हमेशा ही ऐसा रहेगा।

111 अब आइए हम इस विषय पर बाईबल की सच्चाई पर विचार करें, और देखें कि क्या यह सही है; अब कुछ मिनटों के लिए... आदम... आरंभ में यह इस तरह से शुरू हुआ, जिस तरह से हमने इसे ठीक आज पाया है, थोड़ा सा भी नहीं बदला है। *आदम* एक "विश्वासी" था। *शैतान* एक "अविश्वासी" था; उसने वचन का विश्वास नहीं किया। इसलिए उसे *हव्वा* मिली, इसे "पक्का नहीं" था कि यह सही था या नहीं। देखा? शैतान, अविश्वासी... परमेश्वर ने कहा, "जिस दिन तुम इसे खाओगे, उस दिन तुम मर जाओगे।"

112 शैतान ने कहा, "यह सही नहीं है।" देखो, और उसने इसका विश्वास नहीं किया। आदम ने इसका विश्वास किया। इसलिए उसने उस एक पर कार्य किया जो बीच में था। वे बस नहीं बता सके... वह बस नहीं बता सकी।

113 अब, ध्यान दें, यहाँ स्त्री भविष्य की संप्रदायिक कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है जिसे दुल्हन कहा जाता है। ये सब उत्पत्ति में आया है। यह एक बीज है। आप उत्पत्ति में आरंभ करते हैं; आप अपनी तस्वीर को सीधा करेंगे। समझे? अब, यहाँ उसने इस दिन की कलीसिया का प्रतिनिधित्व किया क्योंकि कुछ कहते हैं (अब हम प्रेस्बिटेरियन, और लूथरन को लेते हैं, और उन सारे को यहां–वहां से आ रहे हैं, ये व्यापारी लोग और आदि–आदि), "हम चाहते हैं... हम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहते हैं। हम—हम इसे पाना चाहते हैं।"

114 क्या आपको एहसास है कि हम किस दिन में हों सकते है? देखा? हो सकता है कि उन्हें यह कभी न समझे। क्या आप जानते हैं यीशु ने कहा, "जब वे, सोई हुई कुंवारी... "?

115 अब, याद रखे, सोई हुई कुंवारी तेल के लिए मांगने के लिए आयी। यह पूरी तरह से मोहरबंद हो गया था। उसे यह नहीं मिला। उसे यह कभी नहीं मिला। क्या आप अनुभव करते हैं कि दुल्हन के चले जाने के बाद, स्वर्ग में उठाये जाने के बाद, कलीसियाये अब भी चलती रहेंगी, लोग सोचते रहेंगे कि वे बच रहे हैं और सब कुछ वैसे ही है जैसे उन्होंने हमेशा किया। वैसे ही जारी रखते है जैसे यह नूह के दिनों में था। वे खाने, पीने, और हर एक चीज को करते हुए वैसे ही आगे बढ़ते गए जैसे वे हमेशा करते थे। वे इसे नहीं जानते थे, लेकिन दरवाजा बंद हो गया था। और ऐसा हो सकता है, मित्रों, कि द्वार किसी भी समय बंद हो सकता है। हो सकता है पहले से बंद हो, जहां तक मुझे पता है। हम नहीं जानते।

116 वहां बस उनमें से कुछ ही अंदर जाएंगे, हम यह जानते हैं। "जैसा कि यह नूह के दिनों में था (आठ प्राण बच गए थे), ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" वहां बस कुछ ही प्राण बचाये जायेंगे। मैं नहीं कहता कि आठ होंगे। हो सकता है आठ सौ हो या... मैं—मैं नहीं जानता कि कितने होंगे। आठ हजार... मैं—मैं नहीं जानता। आठ लाख... मैं...

117 लेकिन आप देखिए, दुल्हन सिर्फ उस छोटे से झुण्ड से नहीं बनेगी जो अभी यहाँ धरती पर है। जब सातवी घड़ी, जब वह आया, उन सभी

कुंवारीयों ने उठकर और उनके दीयों को छांटने लगी, वे पीछे सभी जो उस अभिषिक्त वचन पर विश्वास करते थे, पीछे उन युगों से होते हुए, सब वापस आते है। पिरामिड की तरह, नीचे का भाग, और आगे आने वाले, लेकिन चोटी के पत्थर को पूरी चीज को लेने के लिए आना था ताकि इसे एक—एक पिरामिड को बना सके। देखो, इसे एक साथ रखे। अब, दुल्हन उन सभी युगों में से होकर बनेगी, जिन्होंने विश्वास किया और मसीह को उनके उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है।

118 अब, हव्वा निश्चित नहीं थी। आदम ने उसे बताया, कहा, "अब, परमेश्वर ने कहा, प्रिय, कि, 'जिस दिन तुम इसे खाओगी, उस दिन तुम मर जाओगी।'"

119 लेकिन उन्होंने कहा... शैतान ने कहा, "निश्चय ही यह सही नहीं हो सकता। तुम कल्पना करो कि एक—एक पिता अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करेगा... बस थोड़ा सा मज़ाक, ऐसी ही कोई बात। यकीनन ऐसा तो नहीं होगा। समझे?

120 और अंत में वो कहाँ मुड गयी? वह "यक़ीनन" की ओर मुड़ी। और बिल्कुल ठीक ऐसा ही कलीसिया आज करती है, बिल्कुल यही। "ओह, *निश्चय ही...* हम एक बड़ी कलीसिया है। हम एक बहुत अधिक लोग हैं। हम एक लंबे समय से... यह सारी चीजें जिसे वे यहां कट्टरपंथी कहकर बुलाते हैं, इस—इस चीज को वे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और सब कहते हैं, यह बेकार की बात है! देखो, कि... ऐसी कोई चीज ही नहीं है। आह, *निश्चय* ही... मैं दशमांश देता हूं। मैं कलीसिया जाता हूं। मेरी मां... *निश्चय* ही परमेश्वर के पास गई... " लेकिन, परमेश्वर ने अलग ही कहा, और इसी तरह से यह होने जा रहा है, बस उसके वचन के स्वाद अनुसार। उसने कहा कि यह लौदीकिया कलीसिया का युग कैसा होगा। मेरे पास इस पर एक विशेष पुस्तक आ रही है, बहुत जल्द, प्रभु ने चाहा तो, देखो, इस लौदीकिया को, यह दिखाने के लिए कि यह पहले ही पूरा हो चुका है, कि वह पहले से ही वहां पर मोहरबंद हो चुकी है, और मसीह वहां बाहर है। कभी नहीं कहा कि वह फिर से अंदर आया, आप जानते हैं। इसलिए आज हम इसे पाते हैं, वे वचन को बाहर रखते है, जैसा कि यह हमेशा से था।

121 अब, ध्यान दें, मूसा, अभिषिक्त वचन... या तो हम उसे बुलाते हैं... मैं आशा करता हूं कि आप समझेंगे, जब मैं कहता हूं कि वह मसीहा था।

वह अभिषिक्त वचन था जिसकी प्रतिज्ञा उस दिन के लिए की गई थी। वो मूसा था! क्या आप यह विश्वास करते हैं? निश्चय ही, इस शब्द—शब्द *मसीहा* का अर्थ है "अभिषिक्त।" देखा? अब, नूह उसके दिन का *अभिषिक्त* था। अब्राहम ने बोला था कि वहां... उसके लोग चार सौ वर्ष की गुलामी में परदेशी होकर रहेंगे, और उन्हें एक सामर्थी हाथ के द्वारा बाहर निकाला जाएगा, और वह क्या दिखाएगा: उसके चिन्ह और अद्भुत कार्य... और—और पीढियां जो आगे आ रही थी, और क्या करेगी। और मूसा वहां खड़ा था, उस दिन का वह *अभिषिक्त वचन*। यही कारण है कि वह अपना हाथ छाती में रख सकता है। क्यों? वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा हुआ था। आमीन! वो महान तेजोमय महिमा उसके चारों ओर थी। उसकी हर गतिविधि परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करती है। यही है जहां पर कलीसिया को अब खड़ा होना चाहिए। सही है! बजाय इसके, हम किसी संप्रदाय के कुछ आवेश पर चले गए हैं।

122 लेकिन मूसा आकर्षित हुआ था, और वह एक तरफ आ गया। और वहां उस झाड़ी में अग्नि का स्तंभ मंडरा रहा था। और यहाँ मूसा अभिषेकित खड़ा था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस व्यक्ति को यहाँ तक यह भी नहीं पता कि वह क्या कर रहा है। वे चिन्ह जो उसे दिए गए थे जब वह अपने चरवाहों की लाठी के साथ वहां पर खड़ा था, और जानता है कि यह जंगल में एक छड़ी होगी। यह एक सर्प में बदल गयी, फिर एक प्रायश्चिता बन गया; उस सर्प ने जंगल में किया। सारी चीजें जो उसने की... वे चिन्ह और आवाजें लोगों से बोल रही थी। देखो, उसके साथ कुछ तो जुड़ा हुआ था। और मूसा शायद इसे खुद भी नहीं जानता था, लेकिन वह उस दिन का अभिषिक्त वचन था। वह अभिषिक्त संदेशवाहक था। इसलिए यदि वह उस घड़ी का संदेशवाहक था, तो वह उस घड़ी का मसीहा था। वो एक *अभिषिक्त* जन था।

अब, वह, यहोशू और कालेब, झुण्ड में विश्वासी थे (ध्यान दें) और दूसरों को सत्य सिखाने का यत्न किया। लेकिन देखो, शैतान (दातान और कोरह) ने दूसरों को जंगल में नष्ट कर दिया। अब, परेशानी क्या थी?

123 परमेश्वर ने मूसा को बुलाया था। वह नहीं जाना चाहता था। उन भविष्यवक्ताओं के पास करने के लिए ऐसी चीजें थी इतना तक कि वे—वे... ऐसा करना एक कठिन बात थी। वे बाहर नहीं जाना चाहते थे और तिरस्कार का सामना नहीं करना चाहते थे। वे संगति करना चाहते थे और

उन बाकी के साथ और—और भाइयों के साथ जाना चाहते थे। लेकिन आप देखते हैं, जैसे... मैं विश्वास करता हूं... मैं भूल गया कि यह कौन सा भविष्यव्यक्ता था, कहा, "यदि... मैं इसे नहीं करना चाहता," (दूसरे शब्दों में) "लेकिन मेरे सारे ह्रदय में आग लग जाएगी। परमेश्वर ने बोला है और मुझे इसे छुड़ाना ही है।" चाहे उन्हें यह पसंद आया; चाहे उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया; चाहे उन्होंने उसे पत्थरवाह किया; उन्होंने जो कुछ भी किया... परमेश्वर ने उसके हृदय में बात की है, और उसे यह कहना ही होगा। ना ही भिन्न होने के लिए, लेकिन आज्ञाकारी होना। "सुन आज्ञा मानना तो बलि चढ़ाने और कान लगाना मेढ़ों की चर्बी से उत्तम है।।" देखो, यह उसके ह्रदय में था। उसे इसे करना ही है। यह उसका जीवन था। वह इसे पकड़ नहीं सका। वहां कुछ तो था, एक धड़कन, जिसने उन्हें धकेल दिया। वे इसे आशीषित नहीं कर सकते थे या इसे श्राप नहीं दे सकते थे। परमेश्वर का उन पर इतना अधिक नियंत्रण था इतना तक कि वो—वो उनकी आवाज था, उनकी प्रतिक्रिया। हाल्लेलुय्या!

124 मुझे एक ऐसी कलीसिया दो जो पूरी तरह परमेश्वर से अभिषिक्त हो, इतना तक कि उनकी हर एक प्रतिक्रिया और गतिविधि **यहोवा यों कहता है** वाला वचन हो, उस तेजोमय महिमा में चलते हुए, मैं तुम्हे एक मसीहा दिखाऊंगा (परमेश्वर का एक अभिषिक्त) जो धरती पर खड़ा हुआ होगा।

125 वहां मूसा इस जलती हुई झाड़ी के पास खड़ा था और उस तेजोमय महिमा के पास। वहां खड़ा हुआ, अभिषिक्त, वह शायद ये नहीं जानता था कि वह क्या कर रहा था। वह तो बस आज्ञा का पालन कर रहा था जो आवाज ने करने को कहा, "अपना हाथ अपनी छाती में रख। इसे बाहर निकाल। उस छड़ी को उठा। इसे सर्प में बदल दे। इसे फिर से नीचे फेंक।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी और ने क्या कहा, वह इसे कर रहा था।

126 कहा, "प्रभु, मुझे अपनी महिमा दिखा, और मैं मिस्र में जाने के लिए तैयार हूं। मैं एक बड़े–बड़े शब्दों को बोलने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं ठीक से नहीं बोल सकता। लेकिन आप मुझे अपनी महिमा को दिखाये।" और उसने उसे यह दिखाया। और उसने नीचे जाकर और उन्हीं चीजों को लिया, और यह दिखाने के लिए कि वो अभिषिक्त मसीहा था। उस मनुष्य ने धरती पर से मिट्टी को उठाया और उसे हवा में उछाला, और उस मिटटी में से मक्खियां और पिस्सू उड़ने लगे, और धरती पर फ़ैल गये। परमेश्वर

को छोड़ और कौन सृष्टी कर सकता है? नदी में से पानी निकाला और इसे नदी के किनारे पर डाला; और सारे मिस्त्र में जल की एक–एक बूंद लहू में बदल गई। यह कौन कर सकता है, सिवाय परमेश्वर के? यह क्या था? वह पूरी तरह से परमेश्वर के अभिषिक्त वचन के प्रति समर्पित हो गया था, यहाँ तक कि वो मसीहा था।

127 मिस्त्रियों ने इसे इस प्रकार से घुमाने का यत्न किया... अविश्वासियों ने इससे मुंह मोड़ने का यत्न किया। ढोंगी विश्वासीयों ने उनकी योजना को परखा। लेकिन परमेश्वर का वचन उन्हें सीधे प्रतिज्ञा के देश में ले गया। यह सही है। वे अभिषिक्त थे। वे... वह मसीहा था।

128 अब जंगल में से प्रश्न आने लगता है। अब यह यहीं लाता है... देखिए, अब, मेरे भाइयो, मैं चाहता हूं कि आप देखें। अब याद रखें, इन लोगों ने उन आशीषो का आनंद लिया। उन्होंने इस भविष्यवक्ता के प्रचार का आनंद लिया, इस अभिषिक्त जन का। उन्होंने उस पर विश्वास किया। उन्होंने उसका पीछा किया। लेकिन वहां जंगल में एक उठ खड़ा हुआ, एक जिसका नाम दातान है, और एक जिसका नाम कोरह है। और उन्होंने कहा, "यह एक ही व्यक्ति का काम होगा। मूसा सोचता है कि केवल वही परमेश्वर का बुलाया हुआ है।"

129 उस एक व्यक्ति का संदेश, वे इसे नहीं चाहते थे। नहीं, वे इसे नहीं चाहते थे। और परमेश्वर कभी भी एक समय में केवल एक व्यक्ति से ही बात करता हैं। यह हमेशा एक ही मनुष्य का संदेश होता है। उसने कब किसी एक व्यक्ति के अलावा किसी और व्यक्ति से व्यवहार किया? यह एक व्यक्ति होता है। यह कोई झुण्ड नहीं होता है। आप परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी हो, आप में से हर एक जन। आप कहते हैं, "ओह, मैं इसे विश्वास करता हूं।" आप बस... आप जो करते हैं, आप बस इसे मन में लाते हैं। आप एक विचार को मन में लाते हैं।

130 यहां एक महिला खड़ी हुई है। मैं एक युवा पुरुष हूं, विवाह करने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। वह हर तरह से मेरी विशिष्टताओं से मेल खाती है। वह एक प्यारी मसीही है: वह उसी जैसी दिखती है, उसी तरह कपड़े पहनती है, उसी तरह व्यवहार करती है और उसी तरह जीती है। मैं इस बात को मानता हूं कि वह मेरी एक अच्छी पत्नी बनेगी। लेकिन वह मेरी नहीं होती है, जब तक मैं उसे अपने लिए स्वीकार नहीं कर लेता।

इसी तरह से संदेश है। आप इसके साथ समर्थन कर सकते हैं और कह सकते हैं, "यह सही है।" लेकिन आपको इसका भाग बनने के लिए इसे स्वयं के लिए अपनाना होगा। तब आप और संदेश एक बन जाते हैं। तब अभिषेक आपके साथ होता है, जैसा कि यह दूसरों के साथ होता है।

131 अब, शैतान, उसने इसका विश्वास नहीं किया। दातान... उसने दातान और उन लोगो को लिया कि इसका विश्वास नहीं करे, जो उन सभी के नष्ट होने का कारण बना।

लेकिन आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, एक मिनट रुकिए, आपने कहा, 'तीन: मूसा, यहोशू और कालेब।'" यह बिल्कुल सही है। वहां पर यही था। "लेकिन यहाँ आप केवल कहते हैं, 'दो।' यहां आप कहते हैं कि 'वहां पर... '"

132 आप कहते हैं, "अलौकिक शैतान।" लेकिन वहां अलौकिक परमेश्वर भी था, जो इन तीनों का अभिषेक कर रहा था। अब, शैतान केवल अभिषिक्त है। लेकिन दूसरा एक आ रहा है, दूसरा एक आ रहा है, बस कुछ मिनटों के लिए ध्यान दें। वह दृश्य पर आता है, उसका नाम बालाम है। वह एक पैसो से प्रेम करने वाला भविष्यवक्ता है; नाम का कहलाने वाला भविष्यवक्ता, झूठा भविष्यद्वक्ता।

133 वहां हमेशा ही हर प्रकार के भविष्यवक्ता होते हैं। और हमेशा ही इस्राएल के साथ और झुण्ड के साथ, वहां हमेशा ही भविष्यद्वक्ता थे; वे चापलूसी करने वाले, झूठी भविष्यवाणी करने वाले भविष्यवक्ता, जो साथ–साथ चलते और राजा से तारीफ को चाहते थे, और कुछ इनाम भी, और, ठीक है, जैसे आहाब के पास उसके चार सौ भविष्यव्यक्ता थे, जो सब अपने धार्मिक पहनावे में सजे हुए थे। और उसने ये–... उसने वहां उस—उस—उस बड़े राजा को बताया, जो यहोशापात था, कहा, "क्यों, निश्चय ही, मेरे पास चार सौ भविष्यव्यक्ता है, सब अच्छी तरह से प्रशिक्षित, इब्रानी भविष्यवक्ता है।"

134 और वे सब आकर और भविष्यवाणी करने लगे। परन्तु उस व्यक्ति में इतना परमेश्वर था कि वह जानता था कि यह गलत था, क्योंकि वह जानता था कि एलिय्याह ने उस चीज़ को श्राप दिया था। और परमेश्वर कैसे भला आशीष दे सकता है जिसे उसने श्रापित किया था? वह ऐसा नहीं कर सकता। उसने कहा, "क्या आपके पास एक और नबी है जिससे

हम पूछ सके? ”

135 उसने कहा, “हाँ, तुम्हे यहाँ पर एक मिलेगा; मिकायाह, इम्ला का पुत्र। लेकिन,” कहा, “मैं उससे घृणा करता हूं।” उसने कहा, “वह हर समय हमारे पीछे पड़ा रहता है, मुझे दोषी ठहराता है और मेरे लिए हर एक बुरी बात बताता है।” कैसे हो सकता है... सिंह गरजा था। परमेश्वर ने बोला। कौन सत्य को नहीं बोल सकता? जब कि यह परमेश्वर के वचन के विपरीत था, तो उसे उस चीज को श्राप देना था। हमेशा ही उनके पास ऐसा था, झूठा भविष्यद्वक्ता। लेकिन उनके पास हमेशा एक सच्चा भविष्यद्वक्ता भी रहा है। याद रखें, उनमें से सारा का सारा स्कूल ऐसा नहीं था। उनमें से एक ही ऐसा था। और इसी तरह से ऐसा किसी भी दिन में होता है। आज भी ऐसा ही है।

136 उस दिन का भविष्यवक्ता यह वचन है। यह सही है। भविष्यवक्ता, आज, ये सब यहां भिन्न नहीं है... यहां एक मेथोडिस्ट भविष्यवक्ता है, एक बैपटिस्ट भविष्यवक्ता, एक पेंटीकोस्टल भविष्यवक्ता, सभी प्रकार के भविष्यद्वक्ता जो सारे देश भर में है। लेकिन अब भी ऐसा ही बना रहता है: वहां पर एक सच्चा भविष्यवक्ता है, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। यह सही है। यीशु मसीह! और वह वचन है। यह सही है। वो वचन है: उस घड़ी का अभिषिक्त वचन।

137 अब उस पर ध्यान दें, जैसा कि हम आगे की ओर यात्रा करते हैं। हम पाते हैं कि यहोशू और कालेब... और फिर यहाँ पर बिलाम भाड़े के भविष्यवक्ता में आता है। उसने क्या किया? उसने ठीक परमेश्वर के हर एक वचन को नजरअंदाज किया जब परमेश्वर ने उसे यह दिखाया। वह आज संप्रदाय का प्रतिनिधित्व करता है। हम इसे कुछ ही मिनटों में दिखाएंगे; दातान, वह क्या था, और बाकी के लोग क्या थे। अब बिलाम ने संप्रदाय का प्रतिनिधित्व किया। एक व्यक्ति जिसे बेहतर पता होना चाहिए था, या नहीं भी, लेकिन उसे बेहतर पता होना चाहिए। वह जानता था कि यह गलत था। लेकिन उसके बाद उसने क्या किया? परमेश्वर ने उसे एक चेतावनी दी, और फिर भी वह उस चेतावनी को अनदेखा करके चला गया। वह पैसे और लोकप्रियता के पीछे इतना पागल था कि वह उनसे जुड़ सकता था। और ऐसा ही आज कलीसियाये कर रही है, वे ठीक उस विश्व कलीसिया परिषद के अंदर चलकर जा रही है। और हर एक चेतावनी सारे देश भर में

गुंज रही है, और चिन्ह और अद्भुत कार्य इस अंतिम दिनों में हो रहे है। कुछ भी हो वे सीधे इसके अंदर चलकर जा रहे हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के वचन से प्रेम करने की तुलना में मनुष्य की स्तुति को अधिक प्रेम करते हैं।

138 मेरा वहां पर एक अच्छा मित्र है, जो उस संदेश को प्रचार करता है; एक पेंटीकोस्टल, लोगों को बता रहा था, जो कलीसिया को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा था। यह कहते हुए कि "हमें अवश्य ही इसके अंदर आना होगा, जो विश्वव्यापी कलीसियाओ का कदम है।" क्यों, उनमें से कुछ... मसीह की कलीसिया में। इनमें से बहुत से संप्रदाय है जो यहाँ तक कुंवारी के जन्म में भी विश्वास नहीं करते हैं, और ये सारी विभिन्न चीजें, और वे सब उसी से संबंधित है। दो कैसे एक साथ चल सकते हैं, जब तक कि वे सहमत ना हो? तब, आपने उस पर "आमीन" कहा, मैं अब इस विषय में सोचता हूं: तब भला एक मनुष्य कैसे कह सकता है कि वह एक मसीही है और पवित्र आत्मा से भरा हुआ है, और इस बात का इन्कार करता हैं कि वो वचन कल, आज और युगानुयुग एक सा है? आप में पवित्र आत्मा उस वचन को, हर एक वचन को विराम चिन्ह लगाएगा, "आमीन। आमीन। आमीन।" जब वचन कुछ भी कहता है, आप कहते हैं, "यही सत्य है।" आमीन!... क्योंकि आप वचन से सहमत होते हैं। आप परमेश्वर से सहमत होते है। आप और परमेश्वर एक है। परमेश्वर आप में है। आप उसके बेटे या उसकी बेटी है, आपको उसके लिए एक मसीहा बनाता हैं, वो अभिषिक्त वचन जो आप में जीवित है।

139 ध्यान दें, बिलाम इन चीज़ों के ऊपर से चला गया। वह एक सिद्ध संप्रदाय था और उनके स्वाद के अनुसार एक सिद्ध उत्तर था। यही है जो दातान चाहता था। यही है जो कोरह चाहता था। वे इसमें से एक संगठन बनाना चाहते थे। कहा, "हमारे यहां हर जगह सारे पवित्र लोग है।"

140 मैं परवाह नहीं करता कि कैसे सिद्ध दो मनुष्य एक साथ चलेंगे, जब वहां उनमें भिन्नता है। हमारी नाक एक सी नहीं है। हमारे अंगूठे के निशान एक जैसे नहीं हैं। हमारे बारे में बहुत सी बातें है... फिर भी हम एक दूसरे को लहू का आदान–प्रदान कर सकते हैं, यहां तक वे जुड़वा बच्चे है, और फिर भी उनमें भिन्नता होती हैं। तब, आप देखे, परमेश्वर बस एक व्यक्ति को उस प्रभाव में ले जाता है, और दूसरा उस पर विश्वास करता है।

141 उसने एक मनुष्य को बनाया, और उस एक मनुष्य से कई मनुष्य को

बनाया। जैसे सभी आदम में मरते हैं, वैसे ही सब मसीह में जीवित होते हैं। उसने मृत्यु के एक मार्ग को बनाया, और वे सब उसमें चले गए। और उसने जीवन का मार्ग बनाया, और जितने वहां चलते हैं, उनके पास जीवन होता है। एक मनुष्य से, ना ही दर्जन लोग मरते हुए आये। दर्जन लोगों को पाप करने की आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ एक मनुष्य ने एक पाप को किया।। एक मनुष्य ने पूरे दंड का भुगतान किया। इसे अब और ज़मीन पर घुटनों के बल रेंगने की, या *मरियम तेरी जय हो* कहने की और ना ही आपको इन सब प्रकार की चीजों को करने की आवश्यता है। और ना ही मरे हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने की। यीशु मरा ताकि परमेश्वर का दान मुफ्त में हो सके। उसने कर्ज का पूरी तरह से भुगतान किया। लेकिन आप देखिए, हम इसमें कुछ और ही कहना चाहते हैं।

142 अब इसे देखें। ये लोग वहां चलकर गए और कहा, "तो ठीक है, तुम अपने आप को झुंड में केवल एक ही व्यक्ति बनाने की कोशिश करते ही। तुम सोचते हो कि केवल तुम ही एक हो।"

143 और मूसा उनसे थक चूका था। वह वापस गया, कहा, "पिता... "

144 उसने कहा, "अपने आप को उनसे अलग कर लो। मैं—मैं—मैं... "

145 "वे सारे—वे सारे जो परमेश्वर के पक्ष में है, यहाँ इस ओर आ जाये।" और परमेश्वर ने धरती को खोल दिया और उन्हें निगल लिया। क्या यह सही है? बस इस पर विचार करे, भाई। ओह, प्रभु! उन्होंने उसका विश्वास क्यों नहीं किया? उन्होंने क्यों विश्वास नहीं किया कि—कि—कि—कि यह मूसा परमेश्वर का अगुवा था? वे उसके साथ क्यों वाद–विवाद करना चाहते थे? हमेशा ही कुड़कुड़ाते और शिकायत करते रहते थे, जबकि उन्होंने परमेश्वर के हाथ को देखा और चले गए... और मूसा... परमेश्वर ने साबित किया था कि—कि मूसा उसका अभिषिक्त मसीहा था। आप समझे? और उसके बाद बस... देखिए, वे लोग उनके ह्रदय में, वे कुछ तो अलग ही चाहते थे।

146 आपके साथ क्या हुआ पेंटीकोस्टल? कुछ वर्ष पहले आप उस गड़बड़ी से बाहर आये जिसे संप्रदाय कहा जाता है, ताकि अपने आप को पेंटीकोस्ट बनाये। आपने इसमें फिर से क्यों वापस जाना चाहा? भूसी को आना था। (वो दाना अब तक यहां पर नहीं था।) समझे? ध्यान दें, उन्होंने बस इसी तरह से किया। यह उनके ह्रदय में था। उन्हें ऐसा करना था।

147 अब, देखो, दातान के पास एक विचार था कि वे सभी इसमें से एक बड़े धर्म को बना सकते हैं। आप जानते हैं, यहां तक कि प्रेरित पतरस के पास रूपांतरण पर्वत पर भी यही विचार था। उसने कहा, "आओ हम यहां तीन आराधनालय बनाएं; एक मूसा के लिए, और एक व्यवस्था के लिए, और एक भविष्यवक्ताओं के लिए, एक... "

148 और जब वह बोल ही रहा था, वहां पर एक आवाज आयी, कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है। उसकी सुनो।" यही है जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, उन्होंने केवल यीशु को देखा। वहां वह खड़ा था। वो वचन था। आपको बस उस वचन को ही सुनना है। किसी भी युग में ये वही है। देखो कि वचन उस युग के लिए क्या कहता है, और देखो परमेश्वर इसका अभिषेक करता है, और इसके साथ जाता है। ऐसा ही है।

149 उन्होंने प्रतिज्ञा के देश की ओर अग्नि के खंभे का अनुकरण किया। वे जो वहां से होकर निकल गये सफल हुए, बाकी के दूसरे नष्ट हो गए। ध्यान दें, वे चाहते थे कि वचन संसार के साथ मिश्रित हो जाए... इससे वे गलत रास्ते पर चले गए। और ध्यान दें कि इससे उनके साथ क्या हुआ। वचन... वे इससे चूक गए क्योंकि उन्होंने अभिषिक्त वचन को स्वीकार नहीं किया। देखिए, आपके पास नकली हो... पहले आपके पास असली वाला होना है, ताकि इससे नकली को बना सके। और वहां उनके पास यह था, और परमेश्वर ने दिखाया कि वो इसके साथ नहीं था।

150 सोचे कि वचन उनके लिए प्रमाणित होने के द्वारा उन्हें कितना सिद्ध रूप से बताया गया था। जो कुछ भी मूसा ने भविष्यवाणी कि ऐसी बात जगह लेगी। जिसे उसने उन्हें इस प्रतिज्ञा के देश में ले जाने के लिए बुलाया था। हर चीज जो मूसा ने भविष्यवाणी की ठीक वहीं पर घटित हुई। इसका एक वचन भी असफल नहीं हुआ। यह क्या ही सौभाग्य की बात रही होगी कि यह जानकर कि आप जंगल में चल कर जा रहे थे... और वहां, उसके बाद... जब उसने उन्हें संदेश सुनाया, तो उन्हें पहले इसका विश्वास करना था। लेकिन जब उसने उन्हें वहां से बाहर निकाला, उसके बाद परमेश्वर ने कहा, "मैं उन्हें साबित करूंगा कि मैं वो अग्नि का खंभा हूं जिससे तुमने जंगल में भेंट की थी।"

151 इसलिए उसने कहा, "उन सभी को पहाड़ के पास एक साथ इकट्ठा करो।" और वह सीनै पर्वत की चोटी पर नीचे उतर आया। और परमेश्वर

ने गर्जन करना आरंभ किया।

152 और लोगों ने कहा, "परमेश्वर ना बोले। मूसा को बोलने दो। ऐसा ना हो... "

153 परमेश्वर ने कहा, "मैं अब उनसे इस तरह से और बात नहीं करूंगा, लेकिन मैं उनके लिए एक भविष्यवक्ता को खड़ा करूंगा जो मेरे नाम में बोलेगा।" समझे? इसलिए हम पाते हैं कि परमेश्वर ने हमेशा ही यही किया है। आरंभ में क्यों वे इसे नहीं देख सके? इन सारी बातों को देखें, और फिर उस संदेश के विरोध में कुड़कुड़ाना जो उन्हें प्रतिज्ञा के देश में ले जा रहा था; जिसने उन्हें ठीक आरंभ से बाहर निकाला, और उन्हें प्रतिज्ञा के देश में ले जा रहा था। लेकिन वे फिर भी... उन्हें इसके विरोध में कुड़कुड़ाना ही था। सोचिए, कितना सिद्ध... वे किस तरह से हर दिन प्रभु के साथ चल सकते थे। जंगल में जीना कैसा जीवन है! रात के समय... एक सुबह का मन्ना खाते, जो रात भर में गिरता।

154 आप जानते हैं, यह उनके लिए इतना सामान्य बन गया यहाँ तक उन्होंने कहा, "हमारा प्राण इस रोटी से घृणा करता है।" देखा? और इसी तरह से यह हमारे साथ रहा है। मैं बस उन छोटे–छोटे झुण्डों के विषय में सोचता हूं जो हम... बस सारे राष्ट्र में मेरी अपनी छोटी सी सेवकाई में है। सिर्फ चंगाई और चीजों को देखना नहीं; यह हमेशा से होते आये है। चंगाई; परमेश्वर के पास हमेशा कहीं न कहीं चंगाई का रास्ता था। यहां तक कि एक समय उसके पास एक—एक—एक दूत तालाब पर था। और वह... सभी प्रकार की चीजे। जंगल में वो—वो पीतल का सर्प था। आपके पास हमेशा ही चंगाई के चिन्ह रहे हैं। (यह वह नहीं है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूं।) चंगाई एक ऐसी चीज है जो लोगों का ध्यान आकर्षित करती है। कोई भी चंगाई की सभा के लिए पैसे के दान को देगा। वे—वे एक गीतों के उत्सव के लिए पैसे के दान को करेंगे। लेकिन जब यह बेचारे खोए हुए प्राण की बात आती है, तो उनका इससे कोई लेना–देना नहीं होता है। देखिए, क्या यह सही नहीं है? समझे? हमारे पास सब कुछ है... एक दीन खोए हुए प्राण के लिए। इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते। वे उसे किसी भी चीज़ में हाथ डालने देंगे। कहते है, "खैर, इसमें कोई बात नही, वह कलीसिया का सदस्य है। इससे कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचेगा।"

155 लेकिन अब, हम यहाँ पाते हैं... (हम बंद करने पर आ रहे जितनी

जल्दी हम यहाँ कर सकते हैं।) सोचे कि यह कितना सिद्ध था। मैं उन—उन दिनों में से होते हुए देखता हूं जब से हम यहां इस धरती पर रहे हैं। देखो प्रभु परमेश्वर ने क्या किया है। बड़े–बड़े चिन्हों, और अद्भुत कार्यो, और चमत्कारों से आरंभ हुआ, जिसका हम सब ने आनंद लिया। तब ध्यान दे... तब इसके पीछे सन्देश आता है।

156 देखो किस बात ने जगह ली है। साथ–साथ चलते हुए, ना कि केवल अपने आप से, मनुष्य आपके साथ–साथ होते है। स्वर्ग से दूतों के झुंड को देखें, सारी धरती को हिला दिया, बस वहां खड़े हुए। और अखबार ने इस बात को लिख दिया; जब हाथो के लगने के महीनों और महीनों पहले भविष्यवाणी की गई थी। वहां वह खड़ा हुआ था, और कहा, "समय निकट है, वापस लौटो। रहस्यों की सात मोहरे खोलो, जो सारे सुधार करने वालो और इत्यादि में से होते हुए छिपे हुए है, इसे बाहर लाओ।" तब *सर्प के वंश* का प्रचार आता है, और इस प्रकार की सारी बातें। और याजक वर्ग क्या करता है? बजाये कहने के... "क्यों, लूथर ने *ऐसा* या *वैसा* कहा।" वे बस... वे इसे कभी नहीं देख पाएंगे। समझे? लेकिन यह हमारे लिए क्या ही सौभाग्य की बात है जो विश्वास करते हैं; ताकि हर दिन परमेश्वर की उपस्थिति में चले।

157 वहां खड़े होकर और आकाश से एक बवंडर को आते हुए देखो। इसने एक पहाड़ को दो टुकड़ों में उड़ा दिया, और जहां हम थे, वहीं खड़ा रहा; पेड़ों की चोटियां काट दीं और इस तरह की अन्य चीजें कीं। और वचन का एक धमाका हुआ और वहां तीन बार हिला दिया, कहा, "इसे पश्चिमी तट पर जाते हुए देखो।" ठीक वहां पर चला गया और अलास्का को हिला दिया। और अब ठीक पश्चिमी तट पर आ रहा है। बिल्कुल ठीक।

158 एक दिन पहले, मैंने एक पत्थर को लिया और उसे ऊपर हवा में उछाला, और कहा, "**यहोवा यों कहता है**, 'वो घडी यहाँ पर है, न्याय धरती पर आरंभ होगा। भूकंप और हर एक चीज जगह ले लेने जा रही है। और सारा पश्चिमी तट हिल जाएगा और आदि–आदि।'" देखो कितना सिद्ध है। दिन प्रति दिन, हर एक चीज ठीक वैसे ही जैसे उसने कहा। हम भला कैसे पीछे हट सकते हैं, भाइयों? आइए हम अपना विश्वास उसके प्रति बनाए रखें।

159 वे कहते हैं, "यह कौन है? " हम जानते हैं कि यह कौन है। यह यीशु

मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, वो अग्नि का खंभा। जब मूसा का समय था, देखो इसने क्या किया; आज अग्नि के खंभे का प्रतीक है। यह हमेशा... उन्होंने यीशु का वचन होने का विश्वास क्यों नहीं किया? उनके पास गलत अनुवाद और समझ थी। बिल्कुल जैसे हव्वा ने किया, वैसे ही वे अब करते हैं।

160 तब बिलाम और उसकी शिक्षा उनके लिए बिल्कुल सही थी। और बस उनके स्वाद के अनुसार ठीक–ठीक पूरा किया। पर्व पर, देखो... मोआबियों के पर्व पर, देखो... ओह, उसने क्या कहा। देखो, यह कैसी तस्वीर है, जो आज है, यह किस तरह से पहले के समय की प्रतिछाया है। (मैं आपको बहुत देर तक रोके हुए हूं।) लेकिन देखो, ध्यान दे, बस कुछ समय के लिए, मोआबियों का पर्व। देखो, यदि वह उन्हें एक तरीके से नहीं कर सका, बिलाम ने ऐसा किया और फिर उन्हें एक साथ संगठित कर दिया। यदि वह उन्हें खुद शाप नहीं दे सका... जितना अधिक उसने श्रापित किया, उतना ही अधिक परमेश्वर ने आशीषित किया। बस रखा...

161 देखो, यही है जो उसने पेंटीकोस्टल के साथ किया। उन्होंने कुछ वर्ष पहले कहा था, जब आप सब आरंभ करते हैं, "आप कहीं नहीं जायेंगे। आपके लिए कुछ भी नहीं था। आप—आप जल जायेंगे। आप तो बस एक कट्टरपंथियों का झुण्ड हो।" लेकिन हर बार जब वे आपको शाप देने की कोशिश करते हैं, तो आप फिर से वापस आ जाते हैं। परमेश्वर अपना संदेश प्रकट करता रहता है। वहां बहुत ही पीछे पुरानी असेंबली से, बहुत पहले आरंभ में, वो सामान्य परिषद। तब उसने अंदर लाया जब उन्होंने पानी के बपतिस्मा के लिए यीशु मसीह का नाम लिया। तब एक इस ओर कूदा, और एक ने दूसरी ओर, और एक चला गया... ; *इसे* और *उसे* संगठित कर दिया। परमेश्वर आशीष देता रहा।

162 अब, तो ठीक है, उसने देखा कि वह आपको शाप नहीं दे सकता। देखा? तो वह क्या करने जा रहा है? वह आपको संगठित करने जा रहा है। आपको... "ओह, कुछ भी हो, हम सब एक हैं।" देखा? "हम सब एक ही परमेश्वर में विश्वास करते हैं।" तो बस यही है जो बिलाम ने किया। और क्या यहूदा ने हमें इसके लिए चेतावनी नहीं दी? वे बिलाम की शिक्षा के मार्ग में भटक गए... और कोरह के विरोध में नाश हो गए। क्या यीशु के पालक भाई यहूदा ने बाईबल में हमें इस बारे में चेतावनी नहीं दी है? वे

कैन के समान है, आरंभ से ही, भाड़े के लोग। वो एक जो कलीसिया में गया और कलीसियाओ को बनाया और—और एक वेदी को बनाया और बलिदान किया। वे कैन के मार्ग पर भटक गए। वे बिलाम के मार्ग में दौड़े, और कोरह के विरोध में नाश हो गये। यहूदा ने सारी चीजो को वैसे ही रखा जैसे हम इसे आज सुबह कर रहे हैं, यहां आपके सामने, जैसे हम इसे करते आ रहे हैं। सारी चीजे वहीं पर रखी हुई है।

163 वे कोरह के विरोध में नाश हो गए। ज़रा इस पर सोचे, यह कितना बुरा था। बस यह सोचने के लिए कि कोरह क्या है... देखो, उसने कहा, "अब, हम सब एक भोज में जायेंगे। हम सब एक हैं।" मोआबियों ने परमेश्वर में विश्वास किया। यह लूत की पुत्री के बच्चे थे। देखा? "हम सब एक परमेश्वर में विश्वास करते हैं।" मूल रूप से, वे पूरी तरह से सही थे। ... ... वहां ऊपर बिलाम को देखें, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि आज कोई भी अच्छा बैपटिस्ट या प्रेस्बिटेरियन। वह वहां बाहर आया और वहां इस्राएल था, जो बिना संप्रदाय... वे एक राष्ट्र थे। इस्राएल एक राष्ट्र नहीं था, यह कुछ लोग थे, उस समय पर। वे कुछ समय के बाद परमेश्वर के मार्ग पर नहीं जाना चाहते थे। वे बाकी राष्ट्रों की तरह बनना चाहते थे। यही है जब वे असफल हो जाते हैं। लेकिन जब तक वे परमेश्वर के साथ बने रहना चाहते हैं, अच्छी बात है।

164 बिलाम बाहर आया, उसने नीचे की ओर देखा, कहा, "खैर, तो! मैं जानता हूं कि उनमें से एक सेवक ने दूसरे पुरुष की पत्नी से विवाह किया है।" ये सारी दूसरी चीजें, ओह निश्चय ही, उनके पास बहुत कुछ था। वह छावनी में राजा की—की ललकार को सुनना भूल गया। उसने कभी भी उस प्रहार की हुई चट्टान को नहीं देखा, और ना ही उस पीतल के सर्प को प्रायश्चित के लिए वहां लटका हुआ देखा। उसने एहसास नहीं किया कि वे किसी संगठन से नहीं जुड़े थे। वे परमेश्वर की वाचा से जुड़े हुए थे, और उसी में चल रहे थे। देखा? और बिलाम ने मूल रूप से कहा, "मेरे लिए सात वेदियां बनाओ।" यही है जो यहोवा की मांग है। यही है जो यहोवा के दोनों ओर रखा है। "तो ठीक है, इस पर सात बछड़ों को रखो।" यही है जो वे वहां उस छावनी में कर रहे थे। "मेरे लिए इस पर सात मेढ़ो को रखो क्योंकि किसी दिन एक मसीहा आ रहा है।" तो ठीक है।

165 देखो, मूल सिद्धांत से, वे दोनों ही सही थे; मूल सिद्धांत से। देखा? लेकिन एक दिन जब उसने देखा कि वह उस पर उसे नहीं ले सकता है,

तो उसने कहा, "यदि हम बस अपने आप को एक साथ संगठित कर लेते हैं।" और यहीं पर उन्होंने उनकी गलती की।

166 और बिल्कुल ठीक यही है जहां पेंटीकोस्ट ने अपनी गलती की; जब यह बाकी की कलीसियाओ की तरह वापस संगठित हो गये। मैं आपका शत्रु नहीं हूं। मैं आपका भाई हूं। इन दिनों में से किसी दिन आप पायेंगे कि यही सत्य है। इसमें अभी थोड़ा समय लगेगा, सूर्य के कुछ चक्कर लगेंगे, लेकिन किसी दिन आप देखेंगे कि यह सही है।

167 तब बिलाम की शिक्षा ने उन्हें प्रभावित किया बस... यही है जो वे चाहते थे। "हम सब एक है।" देखा? सो, वे वहां चले गए। उनके सारे भविष्यवक्ता और सारे ठीक उनके साथ चले गए। और वह पर्व पर था, वही कहा, "और हम सब विश्वास करते हैं कि एक परमेश्वर है। आओ हम इसका विश्वास करें।" बस जिसके लिए वे रुके हुए थे, बिल्कुल वही।

168 अब जबकि मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट अपने संगठन के कारण मुश्किल से एक साथ मिल पाते हैं, लेकिन जब वहां एक प्रमुख संगठन आ रहा है, तो हम सब एक साथ मिल सकते हैं, ठीक है। "ओह," आप कहते हैं, "पेंटीकोस्टल इसे कभी ग्रहण नहीं करेंगे।" वे नहीं करेंगे? उन्होंने उस दिन मिसौरी में क्या किया था? आप अपने अखबार तो पढ़ते ही होंगे, निश्चय ही। देखा? आप नहीं? नहीं, ना ही आप पेंटीकोस्टल, आप लोग; लेकिन यह आप नहीं है, यह वहां ऊपर की सरकार है जो आपको चला रही है। यही वो सिर है जो आपको घुमा रहा है। यह सही बात है। आप इसके साथ ना जाये। आप उस चीज से दूर रहे, यही पशु की छाप है। आप इससे जितनी जल्दी हो सके आजाद हो जाये। देखा? यह एक कलीसी... यह वो सरकारी प्रमुख है जो आगे बढ़ाता है।

169 हम कभी भी वहां नहीं गए होंगे और जर्मनी या इनमें से किसी भी बाकी के साथ युद्ध नहीं किया होगा, हम उन बड़े राजनेताओं में से नहीं थे जो नई बंदूकें बनाने और आरम्भ करने के लिए यहां आए थे... ... मैं पैसे नहीं चाहता... लहू का पैसा अपने खुद के बच्चे से, जिसे वहां बाहर जाकर और इसके लिए मरना है। देखा? लेकिन सच यही है, राजनीति ही ऐसा करती है। और पूरी दुनिया शैतान के नियंत्रण में है। बिल्कुल ठीक यही है जो यीशु ने कहा। और यह सह–शताब्दी तक कभी भी सही नहीं होगा, जब यीशु आकर और अधिकार कर लेता है। लेकिन अब हम इन परेशानियों का

सामना कर रहे हैं। (जल्दी करेंगे ताकि हम अब इसमें से होकर ले सकें।)

170 बस जिसके लिए देख रहा था... बस वो चीज। बस यही है जो वे चाहते थे। मोआबियों के पर्व पर शैतान की जीत। उसे एक और जीत भी मिल रही है।" वह उन सभी को उसी तरह से ले रहा है। रुको... एक ही बार में! जरा सोचे कि उन्होंने क्या किया। वैसा ही जैसा ये था। इसे बाहर निकालने के लिए कभी भी एक बड़ा, लंबा, तीन या चार वर्ष नहीं लगना था। वे... झूठे भविष्यवक्ता, वो मनुष्य जो परमेश्वर के वचन पर चलता... हर चेतावनी जो परमेश्वर ने राष्ट्र भर में भेजी, और उन्हें बताया, "इसमें से बाहर निकलो! इससे बाहर निकलो! इससे बाहर निकलो!" वे इसे नहीं करना चाहेंगे। वे ठीक वहीं पर बने रहेंगे।

171 वे परमेश्वर के वचन को अनदेखा करते हैं, वचनों को अनदेखा करते हैं, चिन्हों को अनदेखा करते हैं, उन चीजों को अनदेखा करते हैं, जिनमें हम हैं। सीधे आगे बढकर, "कुछ भी हो हम इसे लेने जा रहे हैं। हम ठीक वहां पर जा रहे हैं। हमारे पास यह होना है। बस ऐसा ही है। हम सब एक हैं।" शैतान की मूर्खता को देखा? यह वही चीज है जो उन्होंने निसिया पर्व पर की थी, निसिया, रोम में। उन्होंने इसमें से एक संगठन को बनाया, और यही है जो बात घटित हुई। शैतान के पास निसिया पर्व था। ओह, प्रभु! और जब से लेकर... सुनना, मैं अब यहाँ एक बहुत बड़ी बात को कहने जा रहा हूं। और आप जो एक टेप पर है इस बारे में वाद–विवाद को करना चाहते हैं, इस पर अपने आप से वाद–विवाद करें, और इतिहास से, और बाईबल से करे, देखिए, लेकिन मुझसे नहीं।

172 सुनना! हर बार जब परमेश्वर एक संदेशवाहक को भेजता है और एक संदेश को देना आरंभ करता है... और जब वो कलीसिया, जब लोगों का झुण्ड सांप्रदायिक भोज में जाता है... यही वह जगह है जहां वे इसे करते हैं। यही है जहां आप असेंबलियों के लोगो ने इसे किया है। यही है जहां आप वननेस वालों ने इसे किया है। यही है जहां आप में से बाकी लोगों ने इसे किया है, अपने संप्रदायिक भोज में, अपने आप को ठीक उसी चीज में वापस डाल रहे है जिसे परमेश्वर ने आरंभ से श्रापित किया था। यह बिल्कुल सत्य है। किसी भी समय कलीसिया में जब कभी बेदारी हुई... लूथर के समय में, तब एक... क्या हुआ? मेथोडिस्ट... सारे युगों में से होते हुए... ज़िंगली, फिनले, फिन्नी, बाकी के सारे, जब उनके पास एक बेदारी

थी, तो उन्होंने इसके साथ क्या किया? इसे सीधे एक संप्रदायिक भोज में डाल दिया, और उन बाकी के साथ रेंगते हुए अंदर चले गये, आप पर उन बाकियों की तरह एक ब्रांड या छाप को लगाया। तब आपके पास मनुष्य का एक झुंड था जो आपको नियंत्रित करता है। पवित्र आत्मा आगे नहीं बढ़ सकता। बिल्कुल ऐसा ही है। आप कुछ ऐसा प्रचार करना आरंभ करते हैं जो बाईबल सिखाती है, जैसे यह, और संप्रदाय इसका विश्वास नहीं करते; आपको सीधे बाहर कर देता है। एक बार इसकी कोशिश करे और देखें कि यह सही है या नहीं। आप देखेंगे कि यह सत्य है। देखो, संप्रदाय के पर्व पर हर बार जब वे इसके लिए बुलाए जाते हैं, उस बिलाम के भोज में, परेशानी अंदर आ जाती है। ओह, लूथर, वेस्ली, पेंटीकोस्ट, और वे सभी इसके शिकार हुए हैं।

173 ध्यान दें, यह तब था, हाल्लेलुय्या, जब मूसा ने आगे कदम बढ़ाकर कहा, "मेरे और परमेश्वर की ओर कौन है? " आमीन! यह तब था जब लेवी ने अपनी तलवार खींची और छावनी में से होते वहां जाकर और हर चीज को पूरी तरह से घात किया जो इसके साथ जुड़ा हुआ था। आमीन! हर एक चीज; हर एक पुरुष जिसके पास एक मोआबी स्त्री थी, उन्होंने उन्हें ठीक एक साथ मार डाला। अब समय आ चूका है। वह मनुष्य कहां है? हारून के पुत्र कहां है, कुछ याजकगण जो परमेश्वर के वचन को बाहर निकालने की इच्छा रखते हैं, जो यह तेज दोधारी तलवार है? कहा, "मेरे और परमेश्वर की ओर कौन खड़ा है? " वह कहाँ पर है? आमंत्रित कर सकते है, आमंत्रित करते है लेकिन कोई भी उत्तर नहीं देता है। देखा मेरा क्या मतलब है? हम इसे नहीं समझ पाते हैं। हम बस... वहां कुछ तो गलत है। ध्यान दें, वे वहां थे... ऐसा तब था जब मूसा वहां खड़ा हुआ और इन बातों को कहा।

174 ध्यान दें, उनके पाप, जो उन्होंने वहां किए, जब उन्होंने खुद को मोआब के साथ संप्रदाय किया और उन्हें एक देह बनाया... उस पाप के लिए उन्हें कभी क्षमा नहीं किया गया। मैं बस एक मिनट के लिए उस पर विचार करूँगा। (यह देर हो चुकी है, लेकिन बस एक मिनट।) उनका पाप कभी क्षमा नहीं किया गया। उनमें से कोई भी कभी प्रतिज्ञा देश नहीं पहुंचा। यीशु ने कहा, मुझे क्षमा करें, संत यूहन्ना 6, यीशु ने संत यूहन्ना 6 में कहा, जब उन्होंने कहा, "हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया"... वे पेंटीकोस्टल थे। भाई, उन्होंने मन्ना खाया, उनके पास वास्तविक चीज थी।

175 यीशु ने कहा, "और वे, हर एक जन, मरा हुआ है। वे नाश हो गए हैं। वे अनंतता के लिए चले गए हैं।" उनके पाप को कभी भी क्षमा नहीं किया गया था। उन्होंने क्या किया? उन्होंने परमेश्वर के साथ अपनी वाचा को तोड़ा, और बिलाम के साथ संगठित हो गये, भाड़े का भविष्यवक्ता जो परमेश्वर की चेतावनी को नहीं लेता है; परमेश्वर के वचन को नहीं लेता है; परमेश्वर की कोई भी बात नहीं लेता है। लेकिन उसने उन सभी को एक करने के लिए निश्चय कर लिया था। क्या आप मूर्खता को देख सकते हैं? मैं इस बात पर लंबे समय तक बना रह सकता हूं, लेकिन मैं—मैं सोचता हूं कि आप इस बात को समझ गये है। देखा? ध्यान दें, उनके पाप कभी भी क्षमा नहीं किए गए थे; उनमें से एक के भी नहीं जो उन आशीषो के नीचे रहे और उस मन्ना को खाया और हर एक चीज को किया।

176 जब उस वास्तविक, सच्चे संदेश की एक बल परीक्षा की बात आई, तो उन्होंने इसे संगठित किया। "हम मोआबियों और हमें एक साथ होंगे। वे एक महान संस्था है, एक महान राष्ट्र। हम यहां तक... हम यहाँ तक एक राष्ट्र भी नहीं हैं। हम बस आपस में ही विवाह करेंगे और—और तब हम सही हो जायेंगे। हम उनके साथ हों जायेंगे।" और इसे कभी भी क्षमा नहीं किया गया था; कभी नहीं, उन्हें कभी क्षमा नहीं किया।

177 यीशु ने कहा, "वे, हर एक जन *मर* गए।" उस शब्द का इब्रानी या यूनानी में अनुवाद करें, दोनों में से एक, या यहाँ तक कि अंग्रेजी में, इसका अर्थ होता है "अनंत अलगाव"; हमेशा के लिए चला गया। यह सही है।

178 ओह, हाँ, उन्होंने अद्भुत कार्यो को देखा। उन्होंने अभिषिक्त वचन को देखा। वे उस मन्ना को खाते थे जो स्वर्ग से उतरा। उन्होंने प्रायश्चिता की आशीषो का आनंद लिया। उन्होंने देखा कि प्रहार की हुई चट्टान उसके जल को देती है। उन्होंने इसमें से पिया। वे व्यक्तिगत रूप से इससे परिचित थे। लेकिन जब उस वचन को तोड़ने की बात आती है... आप कभी भी इसे नहीं भूलना! जब यीशु ने कहा, "मैं और मेरा पिता एक है," यह नहीं कहा कि वहां तीन है। हुंह? जबकि वचन के ये सारे अन्य बड़े–बड़े मूल सिद्धांत...

179 एक रात को एक व्यक्ति मेरे पास आया कि मुझे दिखाये कि मैं कहां पर गलत था, या वो त्रिएकता के बारे में बात कर रहा था। मेरे पास हजारों अच्छे त्रिएकता वाले मित्र हैं। वे उस बाबुल में हैं। उस बाबुल में मेरे बहुत सारे

वननेस मित्र भी हैं। देखा? लेकिन क्या हुआ? उसने कहा, "यह शब्दावली या पारिभाषिक शब्द है, भाई ब्रन्हम। आप त्रिएकता में विश्वास करते हैं? "

180 मैंने कहा, "निश्चय ही।" मैंने कहा, "मैं आपके शब्द को लूंगा: शब्दावली।" मैंने कहा, "आप इसे किस तरह से विश्वास करते हैं? "

उसने कहा, "मैं एक परमेश्वर में विश्वास करता हूं।"

मैं कहता हूं, "आप अच्छा करते हैं।" देखा?

उसने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि एक परमेश्वर है, और परमेश्वरत्व में तीन व्यक्ति है।"

मैंने कहा, "क्या आप एक—एक **बियोला** के छात्र तो नहीं हैं? "

उसने कहा, "हाँ।"

181 मैंने कहा, "ऐसा ही दिखाई देता है।" मैंने कहा, "यह आपकी शिक्षा के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं बोलता है।" मैंने कहा, "तीन व्यक्ति, और एक परमेश्वर? " मैंने कहा, "वेबस्टर के अनुसार, किसी व्यक्ति के होने से पहले उसका व्यक्तित्व होना आवश्यक है।" महोदय, आप तो तीन इश्वरो में विश्वास करते हैं।" आप एक व्यक्तित्व के बिना एक व्यक्ति नहीं हो सकते हैं, क्योंकि यह एक व्यक्ति को बनाने के लिए एक व्यक्तित्व को लेता है।

182 इसलिए वे कहते हैं... उसने कहा, "खैर, श्रीमान ब्रन्हम, आप जानते हैं, यहां तक कि धर्मज्ञानी भी इसे नहीं समझा सकते।"

183 मैंने कहा, "यह बिल्कुल सही बात है। वचन एक धर्मज्ञानी के पास नहीं आता है।" उह–हुंह। मैंने कहा, "बाईबल पूरी तरह से प्रकाशन में बंधी हुई है, 'इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नहीं हो सकते।'" देखा? आमीन, आप वहां है। देखा? लेकिन फिर जब उन चीजों की बात आती है... ओह, प्रभु!

184 अब हम जल्दी करना चाहते हैं और जल्दी से जल्दी बंद करना चाहते हैं यदि हम कर सकते हैं। मुझे इनमें से कुछ वचनों और टिप्पणियों को छोड़ना होगा, देखो। अब, ध्यान दें, जो भी उन्होंने किया उसके लिए उन्हें कभी भी क्षमा नहीं किया गया था। उन्होंने क्या किया? उन्होंने आशीषो का आनंद लिया। इसे मत भूलना। मैं इसे फिर से दोहराने जा रहा हूं। उन्हें इसके लिए कभी भी क्षमा नहीं किया गया था। याद रखें, यह टेप संसार भर में जाता है। समझे? यह अफ्रीका, भारत, सारे संसार के शिविरों में चलाया जाता है;

भिन्न–भिन्न भाषाओं में अनुवादित; और भिन्न–भिन्न शिविर, भिन्न–भिन्न स्थानो में। पाप कभी भी क्षमा नहीं किया गया था। क्या? वे...

185 आप कहते हैं, "ठीक है, परमेश्वर धन्य है, मैंने—मैंने ऐसा किया। मैंने—मैंने—मैंने ऐसा किया है। मैंने स्वर्गीय मन्ना खाया है। मैं... "

186 जी हां, उन्होंने भी खाया। और यीशु ने कहा, "वे, हर एक जन मर गये।" लेकिन जब यह ठीक संदेश पर बात आती है, जहां, उन्हें उस वाचा को नहीं तोड़ना चाहिए, दूसरे राष्ट्र के साथ। परमेश्वर एक अलगाववादी था और उसने उन लोगों का अलगाव किया, और उन्हें किसी और के साथ कुछ भी लेना–देना रखना नहीं चाहिए था, किसी से भी विवाह नहीं करना चाहिए था। और वास्तविक, सच्ची कलीसिया और मसीह की दुल्हन, मसीह के साथ जुड़ जाती है जो कि वचन है। और आप किसी भी संस्था में, किसी भी संप्रदाय में विवाह नहीं करते है। आप बिल्कुल ठीक मसीह और उस वचन के साथ बने रहे, एक व्यक्तिगत के नाई। ऐसा करना परमेश्वर से अनन्त अलगाव है। मैं आशा करता हूं कि हर कोई इसे समझ रहा है।

187 अब, हमारे विषय में, यह फसह के पर्व के निकट था; जा रहा था। यह एक भयानक समय था। लोग फाटक के बाहर सो रहे थे। हर फसह में ऐसा ही हुआ। वे बाहर जमीन पर लेटे हुए थे। सराय और सब कुछ पूरी तरह से भरे हुए थे। यह फसह का पर्व था। वहां पर बड़ी–बड़ी अपेक्षाएं थी। वातावरण पूरी तरह से भरा हुआ था। (अब, लगभग पांच मिनट और मैं चला जाऊंगा, प्रभु ने चाहा तो, या दस मिनट।) सभी लोग पूरी तरह उत्साहित थे।

188 देखिए, वहां पर तीन वर्ग के लोग हैं। देखो, वहां एक बड़ी अपेक्षा थी। वे जानते थे कि यह अनूठा मनुष्य इस पर्व में आ रहा है। उनमें से कुछ ने उससे *प्रेम* किया; उन्होंने उस पर विश्वास किया। उनमें से कुछ ने उससे *घृणा* की; उनमें से अधिकांश ने उससे घृणा की। और क्योंकि एक ने उससे प्रेम किया और दूसरे ने उससे घृणा की, बीच का व्यक्ति *नहीं जानता* था कि क्या करना है। देखा? वे नहीं जानते थे। ध्यान दें, वातावरण अपेक्षाओ से भरा हुआ था। एक कह रहा है, "जब वह वहां पर आता है, तो मैं आपको बताता हूं कि हम उसे कहकर बुलाएंगे... हम उसे वचन की परीक्षा देंगे। हम उसे वहां महायाजक के सामने खड़ा करेंगे। हम देखेंगे कि उसका ज्ञान कैफा के सामने कैसा है।" उसने इसे पहले ही साबित कर दिया था। देखा?

189 "लेकिन हम ऐसा करेंगे: हम देखेंगे... मुझे पता है कि कुछ बड़े–बड़े लीडर उसे पकड़ लेंगे। लड़के, वे उस आदमी को पूरी तरह उलट–पलट कर रख देंगे। वे उसे दिखा देंगे कि वह क्या था, जब वह हमारे याजको से उलझेगा। लड़के, वे जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। वे चतुर लोग हैं। वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।"

190 दूसरों ने कहा, "मैं सोचता हूं कि कुछ भी हो वे उस व्यक्ति के साथ क्या करेंगे।"

191 दूसरों ने कहा, "ओह, मैं उसके आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। परमेश्वर उसके साथ है। वो वही वचन है। ओह, मैं बस—मैं बस उसे देखना चाहता हूं।" देखा? ओह, वे विभाजित थे। अब, देखो, वे लोग जिन्होंने उसे जाना और उस पर विश्वास किया, वे जानते होंगे कि किस फाटक पर रुकना है। देखा? वे जानते थे कि वह किस ओर से आने वाला था। वहां बड़ी अपेक्षा है, लेकिन आप जानते हैं, वहां बहुत से लोगों ने उसे नहीं देखा था। देखो, वहां बहुत से लोगों ने उसे नहीं देखा। ऐसा ही आज है।

192 उनमें से कुछ ने कहा, "वह एक भला मनुष्य है। ओह, उसमें कुछ भी गलत नहीं है," जैसे नेपोलियन, वाशिंगटन, "वह एक भला मनुष्य है। लेकिन, ओह, एक शिक्षक के रूप में, नहीं, नहीं।"

193 उनमें से कुछ ने कहा, "ओह, वह एक भला मनुष्य है। ओह, वो—वो बस पूरी तरह परेशान है, ऐसा ही है। वह एक भला व्यक्ति है। कोई भी उसके विषय में कुछ भी बुरा नहीं कह सकता।"

194 दूसरों ने कहा, "नहीं, वो—वो एक शैतान है, मैं आपको यह बता सकता हूं। कि वहां मन को पढ़ने वाली चीजें और इस तरह की अन्य चीजें हैं, और यह सब झूठी भविष्यवाणी है। यह हमारे मत–सिद्धांत के विपरीत है। तुम इस प्रकार की बातों का विश्वास मत करना।"

195 और दूसरे एक ने कहा, "परमेश्वर की महिमा हो, यह परमेश्वर है। मैं उसे जानता हूं, मैं... " अब आप देखे। और वे प्रतीक्षा कर रहे थे। अब बस इसी तरह से हम आज खड़े हैं, लेकिन बात वही है: वचन इस घड़ी के लिए अभिषेक किया गया; लौदीकिया कलीसिया युग।

196 अब हम यह कहते हुए बंद करने जा रहे हैं। (बस कुछ ही समय में।) तीन वर्ग उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। ऐसा ही आज है, यह सही बात है, तीन। ध्यान दे, विश्वासी लोग चिल्ला रहे थे। देखा? देखा? उसकी सेवकाई के

कारण कुछ लोग उससे प्रेम करते थे, कुछ उससे घृणा करते थे, और कुछ अन्य लोग उस पर आश्चर्य करते थे। समझे? उसकी सेवकाई... मैं इसका फिर से हवाला देता हूं। उसकी सेवकाई, जो कुछ भी थी... अब हम जानते हैं, यह वचन था। लेकिन उसकी *सेवकाई* ने कुछ लोगों को उससे प्रेम करने का कारण बना दिया था। उन्हें ऐसा करने के लिए पहले से ठहराया गया था। देखो, उन्होंने इसका विश्वास किया। उन्होंने इसे देखा। और अब कुछ नहीं था, जब नतनएल वहां पर आया, और—और उसने कहा, "क्या... " उससे कहा उसने ऐसा–ऐसा जो किया, उसने कहा, "रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है, तू इस्राएल का राजा है, मेरे मन में कोई प्रश्न नहीं है।"

197 शमौन वहां पर खड़ा था, कहा, "ओह, अन्द्रियास, मैं वहां नहीं जा रहा हूं। मैंने पहले ही उन सारी बातों को सुना है।"

198 "लेकिन," अन्द्रियास, "तुम्हे आना चाहिए। तुम्हे बस एक बार, मेरे साथ आना चाहिए।"

199 और जब वह वहां बैठा हुआ था, यीशु ने उसे वहां पर आते हुए देखा, आप जानते हैं, वहां पर आते हुए। कहा, "तेरा नाम शमौन है। तू योना का पुत्र है।" अब और कोई सवाल नहीं था। देखिए, इसके लिए बस इतना ही था। वे वहां थे। उन्होंने इसका विश्वास किया। उन्होंने इसे देखा। वे जानते थे कि यही है जो मसीहा को करना चाहिए था जब वो आता है।

200 उसे एक भविष्यवक्ता होना था, क्योंकि मूसा ने कहा, "वो एक भविष्यव्यक्ता होगा।" और वे लोग चार सौ वर्ष तक बिना किसी भविष्यवक्ता के रहे थे, हर युग में इसे ठीक करने के लिए एक भविष्यव्यक्ता की आवश्यकता होती है। और यहाँ वह वहाँ खड़ा था।

201 उनके लिए कोई सवाल नहीं था। वे अपने हाथों में खजूर की डाली के साथ वहां रुके हुए थे, "वह थोड़ी देर बाद आ जायेगा।" प्रतीक्षा कर रहे थे!

202 सारा शहर तनाव में है। उन्होंने कहा, "यह कट्टरपंथियों का एक झुंड है जो वहां फाटक पर जमा हुआ है।"

203 दूसरे ने कहा, "मैं सोच रहा हूं कि वह क्या करेगा जब वह यहां आएगा। आप जानते हैं, मैं—मैं असल में विश्वास करता हूं कि वह एक जालसाज है। मैं विश्वास करता हूं कि उसके पास एक खरगोश का पैर है वह अपने कान पर रगड़ता है, आप जानते हैं, या ऐसा ही कुछ, आप जानते हैं।"

204 और जैसे कि वे आज कहते हैं, "ओह, यह किसी प्रकार की मानसिकता की स्थिति को पढना है। यह—यह कुछ तो है... " वे इसे पूरी तरह से समझा सकते हैं।

205 दूसरे ने कहा, "यह एक शैतान है। तुम नगर के इस ओर ही बने रहो। तुम्हे इससे कोई लेना–देना नहीं रखना है। तुम उस सभा में सहयोग ना करना। तुम वहां पर ना जाना, देखो। हमारा इससे कोई लेना–देना नहीं है।" तीन वर्ग के लोग।

206 अब ध्यान दे। अब यहाँ पर वह नगर में सवारी करते हुए आता है। बिल्कुल ठीक वैसे ही जो वचन ने कहा कि वह करेगा। एक छोटे से गधे पर सवार होकर, शहर में आ रहा है। वे लोग जो मत–सिद्धांत की ओर नहीं देख रहे थे, ना ही मंदिर की ओर देख रहे थे, ना ही इन सारी दूसरी चीजों को देख रहे थे, ना ही याजको की ओर देख रहे थे, उन्हें जो कहना था। वे लोग जिन्होंने उस पर विश्वास किया, वे वहां अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिए हुए खड़े थे। बस पहली गतिविधि की प्रतीक्षा कर रहे थे। आपने उन्हें यह कहते हुए कभी नहीं सुनते, "यह कौन आ रहा है? " ओह, नहीं! वे जानते थे कि कौन आ रहा है। वे जानते हैं कि वचन ने क्या कहा। देखा? और दूसरा वर्ग, उन्हें पीछे नगर में देख रहे है? और फिर जब उन्होंने यह शोर को सुना: "राजा को होशन्ना! होशन्ना राजा को जो प्रभु के नाम में आता है। होशन्ना! होशन्ना!" और सब चिल्ला रहे थे!

207 याजक यह देखने के लिए दौड़े कि यह धार्मिक हलचल किस विषय में है। और लोगों ने कहा, "यह कौन है? " वे वहां पर किस लिए थे, मित्रों? एक धार्मिक पर्व के लिए! वही परमेश्वर जिसने उनके इस पर्व को ठहराया था, उन्हें बताया कि वह वहां इसी प्रकार से होगा, और वे चिल्ला उठे, "यह कौन है? "

208 समय नहीं बदला है। लोगों को उसी तरह के रूप–रेखा बने हुए है जैसे वे तब थे। इब्रानियों 13:8 ने कहा, "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" अब मैं यह कहकर बंद करने जा रहा हूं: अब उनके लिए सवाल ये नहीं है। उन्होंने पूछा, "ये कौन है? " लेकिन 1964 में, सवाल यह है: "तुम क्या कहते हो कि ये कौन हैं? " यह सब किस विषय में है? क्या तुमने वचनों में ढूंढना बंद कर दिया हैं? तुम क्या सोचते हो कि यह कौन है? क्या यह मनो को पढना है? क्या यह कहीं दूर जंगल में से आई कोई

तो जंगली चीज़ है, जैसा कि उन्होंने कहा, "यूहन्ना एक मनुष्य है, जंगली, लोगों को वहां पानी में डुबा रहा है।" जब, यशायाह ने कहा कि वह वहां पर होगा, जो आगे–आगे जाता है। मलाकी ने कहा कि वह बिल्कुल ठीक वहां पर होगा। उन भविष्यवक्ताओं ने कहा, "यह भविष्यव्यक्ता ठीक वहां पर उठ खड़ा होगा कि इसके आगे–आगे जाए।" और यहाँ पर वह था।

209 उन्होंने कहा, "यह एक जंगली मनुष्य है। उससे दूर रहो। देखा? उसके साथ भी कुछ लेना–देना नहीं रखना है।" और यहाँ पर मसीह आता है, बिल्कुल वैसे ही जो वचन ने कहा, "कि वह नगर में गधे के बच्चे के ऊपर सवारी करेगा। नम्र और दीन, गदहे के बच्चे के ऊपर, नगर में आ रहा है, जिससे कि वे वचन पूरे हो सके।" और यहां लोग फिर से धार्मिक पर्व पर खड़े होते हैं, जैसे कि बिलाम, एक धार्मिक पर्व पर, कह रहा हैं, "यह कौन है? "

210 और आज, वचनों ने इस घडी के लिए प्रतिज्ञा की है, मित्रों, यह ठीक हमारे बीच में पूरी हुई है, हर घडी के बाद। आप क्या सोचते हैं कि यह कौन है? आइए हम इसके बारे में अध्ययन करें जब हम हमारे सिरों को झुकाते हैं।

211 प्रिय परमेश्वर, हम सब गंभीरता से, गहराई से सोच रहे हैं, क्योंकि हमें इसे करना अवश्य है। यह हमारे हाथों में है, प्रभु। हम आपको देखते हैं, वो महान राजा। हम आपके वचन की प्रतिज्ञा को देखते हैं। हम इसके लिए वर्षों से देख रहे हैं, इस महान समय के लिए जो आने वाला है, जिसमें हम ठीक अभी जी रहे हैं। हम आपके अभिषिक्त वचन को आपके लोगों में देखते हैं, इसे जी रहे हैं, बिल्कुल ठीक वही जो आपने कहा कि वो बात जगह लेगी। हम शैतान के झुण्ड को वहां उस ओर अभिषिक्त होते हुए देखते हैं। ... .और हमने इसे राष्ट्र भर में नमूना लिया है, वचन में से होते हुए आगे और पीछे, सो वहां एक भी पत्थर बिना ढांपे हुए नहीं होगा। मैं नहीं जानता कि आपने किसे जीवन के लिए ठहराया है, प्रभु। यह जानना मेरा काम नहीं है, यह आपका काम है। लेकिन हर पत्थर को उत्तेजित करना मेरा काम है। परमेश्वर, मेरी सहायता करें, अन्य लोगो की सहायता करें जो इसे विश्वास करते हैं। हर एक पत्थर को उत्तेजित करे, प्रभु, कि वहां कुछ भी ऐसा नहीं होगा जिसे आपने ठहराया है, सिवाय इसके जो इसे सुनेगा।

212 हम आपका आगमन हमारी पीढ़ी में देखना चाहते हैं, प्रभु। हम इसे

विश्वास करते हैं। हम विश्वास करते हैं कि—कि वहां एक और, एक पाम फ्राइडे, गुड फ्राइडे और एक पाम फ्राइडे, पर। आपकी कलीसिया के लिए एक क्रूस पर चढ़ाया जाना, लेकिन हमारी विजय तब होगी जब आप सवारी करते हुए आयेंगे।

213 हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि आज आप अपने लोगों को आशीष देंगे। इस छोटी कलीसिया को आशीषित करें। इस प्रिय पास्टर और उसके पुत्र को यहाँ आशीषित करें, भाई आउटलॉ और—और उसके पुत्र को; जिमी सीनियर और जूनियर सभी को। हर एक को आशीष दे जो यहां पर है।

214 परमेश्वर, होने पाए हम आज सुबह यहां ऐसे कभी ना आएं... मैं... मैं कभी भी ट्यूसान से ऐसे ही गाड़ी से नहीं आया बस... यदि मुझे कुछ लोगों से बात करने का सौभाग्य मिलता था, प्रभु, ये—ये किसी और की—की महिमा करने के लिए नहीं था, बल्कि इस व्यक्ति की महिमा करने के लिए था, जिसके बारे में लोग सोच रहे थे कि यह कौन है। वे जानते हैं कि मनुष्य यह नहीं कर सकता। वे जानते हैं कि इन बातों को समझना मनुष्य के बाहर है। लेकिन लोग कहते हैं, "यह क्या है? "

215 प्रभु, हम जानते हैं कि यह आप हैं। यह पवित्र आत्मा के व्यक्ति में यीशु मसीह है। वो पवित्र आत्मा है। "मैं परमेश्वर से आया हूं। मैं परमेश्वर के पास जाता हूं।" और हम अपने बीच उस महान अग्नि के खंभे को देखते हैं, प्रभु, वैसे ही जैसे उन्होंने मूसा के साथ बाईबल के पहले भाग में किया था। हमने इसे बाईबल के बीच में देखा जब पौलुस दमिश्क के रास्ते पर था। हम इसे देखते हैं। अब यहाँ हम इसे फिर से अंत समय में देखते हैं। संख्या तीन एक पुष्टि को करता है। यह हर बार का संदेश रहा है।

216 परमेश्वर, होने पाए पुरुष और स्त्रियां रीति–रिवाजों और मत–सिद्धांतों को अब और पकड़े ना रहे। लेकिन होने पाए वे उस चीज से बाहर निकल जाए, अपने जीवन को पूरी तरह से परमेश्वर को दे दें और विश्वास करें; ना ही सिद्धांत और मनुष्य की बातों पर अब भरोसा करे, लेकिन जीवित परमेश्वर पर भरोसा करे। जबकि ये छुट्टियां चल रही हैं, अब भी ये पुकार है: "यह कौन है? यह क्या है? यह सब किस विषय में है? " धार्मिक लोग भी इसी बात को कहते हैं। और यह वही प्रभु यीशु है, जो अपने लोगों में देहधारी हुआ, दुल्हन के लिए अपने वचन का अभिषेक कर रहा है। और वे

इसे नहीं समझ सकते है। वे सब लौदीकिया में इतने उलझे हुए हैं, इतना तक कि वे नहीं जानते कि यह सब किस विषय में है। लेकिन भविष्यवक्ता ने कहा, "वहां सांझ को उजियाला होगा।" इसलिए अब हम इसके लिए देख रहे हैं, प्रभु। आकर, प्रभु, हर एक जन को आशीष करे।

217 अब अपने झुके हुए सिरों के साथ, और अपने हृदयो के साथ। आप विश्वास करते हैं कि यह सच्चाई है? आप करते हैं? बस अपना हाथ उठाये, कहे, "मैं वास्तव में इसे सत्य होने का विश्वास करता हूं, कि हम अंत के दिनों में जी रहे हैं। हम अब यहां पर हैं और मैं विश्वास करता हूं कि हम बहुत ही उलझे हुए हैं... " आप उस दिन सभा में थे, जब गेहूं, डंठल... आप ध्यान दें, आपने देखा, हमारे पास इसका अनुसरण करने के लिए कोई संगठन नहीं है। मैं ठीक यहां आपके पास्टर के साथ वर्षों से रहा हूं, अंदर और बाहर। आमतौर पर, दो या तीन वर्ष और यह संगठित हो जाता है। यह इस बार संगठित नहीं हुआ। यह नहीं हो सकता। भूसी इससे अलग हो गई है, लेकिन इसके आगे बढ़ने की प्रक्रिया नहीं है। वो गेहूं, सेवकाई ठीक उसी बात पर वापस आ गई है जिस तरह से यह आरंभ में थी। यह हमारे बीच में यीशु मसीह है, मित्र। ना ही एक मनुष्य, लेकिन मनुष्य मसीह यीशु जो आप में रह रहा है, और आपके अंदर एक भाग बनना चाहता है, और आप उसका एक भाग बनना चाहते हैं। क्या आप उसे आज ग्रहण करना नहीं चाहेंगे?

218 क्या यहां कोई है जिसने अभी तक आत्मा का बपतिस्मा नहीं पाया है? अब, आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं आपको बताता हूं, मैं एक बार चिल्लाया था।" यह बहुत अच्छी बात है। "मैंने एक बार अन्य भाषा में बोला।" यह भी बहुत अच्छा है। लेकिन फिर भी यह वह नहीं है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूं। आप कैसे चिल्ला सकते हैं और अन्य जुबान में बोल सकते हैं और फिर वचन का इन्कार कर सकते हैं? पवित्र आत्मा का प्रमाण उसके वचन पर विश्वास करना होता है। हमेशा से ऐसा ही रहा है, हर युग में, यदि आप वचन को ग्रहण कर सकते हैं। जब आत्मा के फल की बात आती है तो इस बात पर उन याजकों ने यीशु को लाखों मील से भी अधिक मात दे दी थी: वे सज्जन, और शांतिपूर्ण, और नम्र, दीन थे। उसने कलीसियाओ को तोड़ दिया, उन्हें लताड़ा; और लोगों को अलग किया, और उन्हें "घास में के सांप" और सब कुछ कहा। देखा? लेकिन वह वो वचन था। वह वो वचन था। ऐसा ही है: परमेश्वर का विश्वास करो। परमेश्वर वचन है। इसे

विश्वास करें।

219 यदि आपने अभी तक मसीही बपतिस्मा को अब तक नहीं पाया है, तो यहां पर एक तालाब है। आपने अभी तक कभी भी सच्चे पवित्र आत्मा को प्राप्त नहीं किया है, जो आपको यह जानने को लगाता है कि परमेश्वर का हर एक वचन सत्य है; आप इसके लिए कहते हैं, "आमीन" और इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करते है, तब आप इसे आज सुबह ग्रहण कर सकते हैं। और फिर आप यह नहीं सोचेंगे कि यह कौन है जो लोगों को ऐसा व्यवहार करने को लगाता है। आप जान जायेंगे कि यह क्या है। यदि आपके पास यह अनुभव नहीं है, तो क्या आप कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, मुझे अपनी प्रार्थना में याद रखना, और मैं अपने हाथ को ऊपर उठाऊंगा"? और आप कहते हैं, "और मैं—मैं... " परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, आपको, आपको। परमेश्वर आपको आशीष दे, यह अच्छी बात है। परमेश्वर आपको आशीष दे, ठीक है।

220 हे परमेश्वर, जैसे संगीत मधुरता से बजता है... ओह, वो अद्भुत है! निश्चय ही। "परामर्शदाता, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सनातन का पिता।" मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन लोगों को देंगे, प्रभु। मैं केवल प्रार्थना कर सकता हूं। मैं बस इतना ही करना जानता हूं, कि उनके लिए मांगु। उन्होंने अपने हाथों को ऊपर उठाया है। मैं वैसा ही कर रहा हूँ जैसा मैंने उनसे प्रतिज्ञा की थी, मैं प्रार्थना कर रहा हूँ कि आप उन्हें यह महान अनुभव प्रदान करेंगे; ना ही महज किसी प्रकार की एक भावना, लेकिन एक वास्तविक अनुभव; परमेश्वर से भेंट करना जैसे मूसा ने वहां किया था उस भूमि पर तेजोमय महिमा में; और केवल वहां पर ही नहीं, लेकिन उस वचन से कभी मुंह नहीं मुड़ा, जिससे कि सीधे इसके साथ प्रतिज्ञा के देश में चलकर जाए। परमेश्वर, इस सुबह प्रत्येक के लिए इसे प्रदान करें।

221 आज हमारे बीच में बीमारी है, परमेश्वर। हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसे चंगा करेंगे। हर एक बीमार व्यक्ति को चंगा करे, हर एक जरुरतमंद को। इसे प्रदान करें, प्रभु। वे अब आपके हैं। मैं उन्हें आपको यीशु के नाम में देता हूं। आमीन।

222 मुझे क्षमा करें, मैं ठीक दो घंटे से यहां ऊपर हूं। लेकिन देखो, आपके पास सारी शाम है। आप घर जाकर विश्राम कर सकते हो और थोड़ी सी झपकी ले सकते हो। लेकिन जो मैंने आपको बताया उसे मत भूलना। मैंने

आपको अपने हृदय से बताया है। मैं जानता हूं यह अजीब सा लगता है। कुछ वर्षों पहले मैं आप लोगों के साथ यहाँ फीनिक्स में आया, विश्वास की प्रार्थना के द्वारा बीमारों को चंगा किया। मैंने इसे कभी भी नहीं समझाया, मैं इसे समझाना नहीं चाहता था। मैं बस ध्यान देता हूं और देखता हूं कि लोग क्या करेंगे, बस देखता हूं कि नकल और चीजें ऊपर उठ रही हैं। इसे देखना मेरे लिए बहुत बड़ी बात रही है।

223 लेकिन अब, मैं आपके पास एक संदेश के साथ आ रहा हूं जो कि चिन्ह को प्रमाणित करता है। कलीसिया ने किया... नहीं, ये कभी भी संप्रदाय नहीं हुआ। लेकिन इस बेदारी के बाद संप्रदायों का क्या हुआ? उन्होंने क्या किया? वे सीधे लौदीकिया के अंदर चले गए। लाखों और लाखों, और अरबों डॉलर इसमें डाले गए, और बस... और वह बड़ी और धनी हो गई है और उसने लाखों डॉलर की संपत्ति और इस तरह की चीजों को बनाया है। और संदेश को पाने के लिए? निसंदेह नहीं। वे इससे मुंह मोड़ देते हैं। यह क्या है? भूसी गेहूं से अलग हो जाती है। अब गेहूं को अवश्य ही उसी तरह से होना है, पुत्र की उपस्थिति में पड़े रहने के लिए ताकि एक पूर्ण सुसमाचार में बदल जाये, स्वामी के लिए सुनहरा दाना। क्या आप इसका विश्वास नहीं करना चाहेंगे? जो भी है, यह कौन है? यह कौन है? क्या यह मनुष्य हो सकता है? क्या यह एक कलीसिया हो सकती है? क्या यह एक संप्रदाय हो सकती है? यह यीशु मसीह है, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। क्या आप उस पर विश्वास करते हैं?

224 मैं अब सोचता हूं, बस थोड़ी सी आराधना के साथ इस तरह के एक काट–छांट वाले संदेश के बाद,... बहन, हमें एक—एक—एक स्वर को देने के बारे में क्या ख्याल है, यहाँ छोटे से गाने वाले झुण्ड के साथ, मैं *उससे प्रेम* करता हूँ। क्या आप पुराने गीत को जानते हैं?

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
मेरे उद्धार को खरीद लिया
ठंडी, काली कलवरी पर।

225 क्या आप इसे मेरे साथ गायेंगे? अब आप सभी जन, बस आराधना में। अब—अब मेरे साथ आराधना करे।

मैं उससे प्रेम करता हूं...

अब, याद रखें, टेलीविजन की तरह, वो आपके कमरे में है।

क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी पर।

क्या आप समझते हैं कि इसका क्या अर्थ था? क्या आप समझ सकते हैं? क्या आप इसकी गहराई को समझते हैं, उसने क्या किया?

मैं उससे प्रेम करता हूं...

मैं उसे नहीं देखता, लेकिन वह यहाँ पर है। मेरे पास यहां एक छोटी सी ग्रहण करने की अनुभति हो रही है, एक छोटी सी चीज जो मेरे ह्रदय में उजियाले को चमकाती है। मैं जानता हूं कि यह उसे प्रतिबिंबित करता है। वह यहां पर है।

... मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी पर।

226 अब मैं चाहता हूं कि आप ऐसा करें, जब हम इसे गुनगुनाते हैं। अब, हम मिले–जुले लोग हैं जब बात यह आती है कि हम क्या रहे हैं। याद रखें, मेरी पृष्ठभूमि कैथोलिक थी। समझे? अब, हम सब यहाँ पर मिले–जुले झुण्ड है, लेकिन हम अब उन सारी चीजों से बाहर आ गए हैं। हम मसीह से संबंध रखते है। हम उसके हैं। अब जब कि हम इसे गाते हैं, आइए हम घूमकर और बस हाथों को मिलाये। उठना नहीं है। केवल कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन," जबकि हम ऐसा करते हैं, बस एक वास्तविक मसीही वातावरण में। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आराधना को पसंद करता है। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? उसकी आराधना करें। वो... परमेश्वर आराधना की वस्तु है। और हम उसकी आराधना करना चाहते हैं। और हम कैसे करते हैं... ? आप एक दूसरे से प्रेम करे। आप एक दूसरे के साथ व्यवहार करना चाहते हैं... "जैसा तुम इनके साथ करते हो, तुम मेरे साथ करते हो।"

227 आइए अब हम इसे गाये, और—और एक दूसरे के साथ हाथ मिलाये, और आराधना करे...

क्योंकि वो...

परमेश्वर आपको आशीष दे।

ओह, मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
पर...

228 मैं सोचता हूं, क्या यह आपके हृदय में जलता है? क्या वहां कुछ तो है जिससे बस—बस वास्तव में अच्छा महसूस होता है? आप जानते हैं, आप\ ऐसा महसूस करते हैं कि जैसे आप इसे यहाँ से निकालकर और गले लगाना पसंद कर सकते हो। हुह? क्या आप अपने हृदय में ऐसा महसूस करते हैं? यदि आप नहीं करते हैं, तो मित्र, सावधान रहना। आप खतरनाक भूमि पर है, देखिये, यदि वहां कुछ सच्चा प्रेम नहीं है, कुछ तो, "मैं उससे प्रेम करता हूं।" ना ही केवल एक गीत, लेकिन एक हकीकत है। उसने पहले मुझसे प्रेम किया। मैं आज कहां होता... मैं पचपन वर्ष का हूं। मेरा जीवन जल्द ही समाप्त हो जाएगा। देखा? और जो मैंने... मेरे उद्धार को खरीदा... भाई ट्रो, आपने क्या... ? [एक भाई सभा में से बोलता है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

229 आपने उस गवाही को सुना, "बचाया गया।"

उसकी दिव्य सामर्थ के द्वारा बचाया गया,
नई ऊंचाइयों की उत्तमता पर बचाया गया!
जीवन अब मधुर है, मेरा आनंद पूरा हुआ है,
क्योंकि मैं बच गया हूं।

230 आप कैसे जानते हैं? मेरा आत्मा उसके वचन के साथ गवाही देता है कि मैं मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका हूं।

231 धन्यवाद, प्रिय मसीही लोगों। यह मेरा भला करता है। मैं इस तरह के स्थान पर आना पसंद करता हूं, जहां आप घर जैसा महसूस करते हैं। मेरे लिए दूर जाना मुश्किल है। मैं बस सोचता रहता हूं, "उस घड़ी की ओर देखो," और—और मैं देखता हूं कि मेरी बेटी वहां बैठी हुई है, मेरी ओर सिर को हिला रही है, और इस तरह से नीचे की ओर देख रही है; और—और मेरा पुत्र, यहां बैठा हुआ है, कहते हुए, "किस—किस लिए आप यहां रुके हुए हो?" मैं नहीं जानता। मैं बस यहाँ पर बैठना पसंद करता हूं... आप जानते हैं। मैं नहीं जानता। मैं संगति को पसंद करता हूं। आप जानते

हैं, मैं इसे बहुत अधिक स्थानों पर नहीं जा पाता (आप यह जानते हैं), हर समय कम होता जा रहा है। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं वहां के लिए नजदीक होता जा रहा हूं। देखा? और किसी दिन मैं अपना अंतिम उपदेश प्रचार करूंगा, अंतिम बार बाईबल को बंद करूंगा। मैं तब एक छोटी सी यात्रा पर जाने वाला हूं। किसी समय मुझसे भेंट के लिए आ जाओ जब मैं जाता हूं। ऊपर आ जाओ, और हम बस हमेशा के लिए बैठेंगे, और बात करेंगे जैसे भाई कार्ल ने कहा, और हमेशा के लिए जीवित् रहेंगे।

232 अब देखो, मित्रों, मैं आपसे कुछ पूछने जा रहा हूं, जो मैं चाहता हूं कि आप करें। अब मैंने आपको आपके भोजन करने से रोक कर रखा है। देखा? और अब, भाई आउटलॉ ने कुछ समय पहले कुछ तो किया... वह कभी कभार कुछ तो ऐसा करता है जो मैं पसंद नहीं करता। लेकिन, उसने मेरे लिए एक प्रेम दान को लिया, देखो। मैं सोचता हूं कि क्या उनमें से कोई एक वापस जाकर, और उस प्रेम दान को वापस वहां ले जाकर, और द्वार पर खड़ा होगा। और आप जाकर इसे ले ले और इससे अपना रात का खाना खरीद ले। यह मेरी ओर से वापस आपके लिए एक उपहार है। देखा? आप ऐसा करते हैं। देखा? तो यह अच्छा रहेगा। वह एक प्यारा व्यक्ति है। वह हमेशा ही... वह कभी नहीं... मैं कभी भी कहीं नहीं जाता या कुछ भी नहीं करता जब तक कि वह—वह मेरी मदद करने के लिए कुछ करना न चाहे। यही उसका तरीका है।

233 यहां पर कोई व्यक्ति खड़ा है; मैं—मैं उनका नाम लेने से डरता हूं, हो सकता है उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचे। वहां एक बहुमूल्य भाई है जो अभी–अभी महिमा में चला गया, बहुत जल्दी ही चला गया। उसकी इच्छा... वह जानता था कि मुझे जंगल पसंद है, इसलिए वह मेरे लिए एक जीप को खरीदना चाहता था। मैं उसे ऐसा करने नही देना चाहता था। उसके चले जाने के बाद, उसकी छोटी पत्नी इसे करना चाहती थी, और मैं उसे ऐसा करने नहीं देता हूं। लेकिन बाकी के लड़के एक साथ एकत्र हुए और यहां पर चले गए... और—और वहां एक और भाई है जो इस कलीसिया में आता है, कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं रेत के माल ढोने के डिब्बे बनाता हूं।" आप जानते हैं, बग्गियाँ; या जिसे आप *घोड़ागाड़ी* कहते हैं। और कहा, "मैं आपके लिए उनमें से एक बना दूंगा।" मैं उसे नहीं बनाने देता हूं। आप जानते हैं इन लड़कों ने क्या किया? उन्होंने एक—एक जीप और रेत पर चलने वाले वाहन को एक साथ जोड़कर बनाया। मैंने ऐसा

कभी नहीं देखा।

234 उस रात ट्यूसान की सभा से, उन्होंने इसे मेरे आंगन में चला कर लाया, और कहा, "यह फिनिक्स के—के लोगों की ओर से एक भेंट है।" देखिए, उन्होंने सिर्फ अपने बारे में बात नहीं की, बल्कि कहा, 'यह हम सब मिलकर दे रहे हैं, समझे?'" यही... ओह, मैं—मैं बस इतना जानता हूं कि यदि मैं कभी स्वर्ग जाता हूं, तो मैं इस तरह के लोगों के साथ रहूंगा। यह मेरे लिए बहुत अधिक मायने रखता है, आप जानते हैं, बस कुछ तो ऐसा ही है; ये छोटे... कुछ तो है।

235 यह मुझे यहाँ भाई आउटलॉ के लिए इस तरह से महसूस करने को लगाता है। कहते है, "खैर, भाई ब्रंहम, मैं बस... " कहीं ऊपर जाकर... बस किसी जगह तक पहुँचे इतना तक जहाँ आप सचमुच प्रेम को महसूस करें, और आपसे बातचीत करें, और यीशु के विषय में बात करें। और—और लोगों के बारे में... खैर, आप जानते हैं, 'एक समान पंखो की चिडियां साथ रहती है।'" आप जानते हैं, वे एक साथ एकत्र होना पसंद करते हैं और चीजों के बारे में बात करना, एक साथ संगति करना पसंद करते है।

236 और मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं, लेकिन मैंने—मैंने प्रेम दान को नहीं चाहा, भाईयों, बहनों। मैं... मेरी कलीसिया मुझे एक सप्ताह में एक सौ डॉलर का छोटा सा वेतन देती है और मैं उस पर अच्छा गुजारा करता हूं। इसलिए मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं। अब यदि आप में से कोई अपना रात्रि भोज करना चाहता है, तो ठीक है, कोई तो वहां पीछे द्वार पर होगा और आपका रात्रि का भोजन मेरी ओर से है। आप देखिए, यह ठीक रहेगा। आप में से कुछ, मैंने आपको अपने रात्रि भोजन से दूर रखा है। आप उससे प्रेम करते हैं? तब आपको मुझसे प्रेम करना है क्योंकि मैं उसका भाग हूं। देखा? आमीन। यही कारण है कि मैं आपसे प्रेम करता हूं। प्रभु आपको आशीष दे।

237 आइये अब खड़े हो जाये। हमारी आने वाली सभाओ को मत भूलना। जब भी आप आस–पास होते हैं, बस याद रखें, यहाँ आ जाए। आपका हमेशा ही स्वागत है। क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे? मैं—मैं वो व्यक्ति हूं जिसे प्रार्थना की आवश्यकता है। क्या आप प्रार्थना करेंगे? कितने लोग इस बोझ को समझ सकते हैं, कि मुझे क्या करना है, और मेरे सामने क्या–क्या चीजें रखी हैं? और मुझे पता है कि क्या आने वाला है, बिलकुल सामने।

आप समझ रहे है? मैं इसे वैसे ही देख सकता हूँ जैसे मैं दूसरी चीज़ों को आते हुए देखता हूँ।" मैं जानता हूं कि क्या आ रहा है। देखा? लेकिन इस विषय में बात करने का समय नहीं है। आइए इस बारे में बात करें कि ठीक अभी क्या चल रहा है। कल खुद के लिए चिंता कर लेगा। समझे? क्या आप... क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे? अब, क्या आपने अपने हाथों को उठाया, आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे? तो ठीक है।

238 परमेश्वर अब आपको आशीष दे। मैं सभा को वापस आपके प्रिय पास्टर, भाई जिमी आउटलॉ के हाथों में देने जा रहा हूं। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई जिम।

64–1227 तुम क्या कहते हो यह कौन है?
जीसस नेम चर्च
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org